भाद्रपद कृष्ण पक्ष 8, 2083 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-10, अंक - 59 | पेज 8, मूल्य 2 रुपए
डाक पंजीयन क्रमांक: म.प्र./4-474/2024-26
बेबाक खबर हर दोपहर
दोपहर मेट्रो
जन्माष्टमी की हार्दिक शुभकामनाएं
भोपाल, शुक्रवार 04 सितंबर 2026

अंतरिक्ष में भारत की नई निगरानी ताकत

» ISRO ने EOS-05 सैटेलाइट किया लॉन्च
» 36 हजार किमी ऊंचाई से नजर रखेगा
» पहली बार जियोसिंक्रोनस ऑर्बिट में इमेजिंग सैटेलाइट

श्रीहरिकोटा। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (ISRO) ने गुरुवार देर रात 2:55 बजे EOS-05 इमेजिंग सैटेलाइट को सफलतापूर्वक लॉन्च किया। इसे श्रीहरिकोटा से GSLV-F17 रॉकेट के जरिए अंतरिक्ष में भेजा गया। EOS-05 जियोसिंक्रोनस ऑर्बिट यानी करीब 36 हजार किलोमीटर की ऊंचाई से तस्वीरें लेने वाला भारत का पहला सैटेलाइट है। यह भारत और आसपास के बड़े इलाकों की लगातार तस्वीरें ले सकेगा। यह पाकिस्तान-चीन सीमा समेत सीमाओं और रणनीतिक इलाकों पर लगातार नजर रखेगा। इसके अलावा आपदाओं की निगरानी और समय रहते चेतावनी देने में मदद करेगा।

पता लगाना जरूरी... करोड़ों की संपत्तियों के पीछे वास्तविक लाभार्थी कौन थे

बड़े नेटवर्क को बेनकाब किए बिना अधूरी रहेगी सौरभ शर्मा की कहानी

भोपाल। सौरभ शर्मा प्रकरण में करोड़ों रुपये की नकदी, सोने का जखीरा, बेनामी संपत्तियों और करीब 108 करोड़ रुपये की आपराधिक कमाई की जांच ने कई परतें खोल दी हैं। लेकिन सबसे महत्वपूर्ण सवाल अभी भी अनुत्तरित है। क्या सौरभ शर्मा इस पूरे खेल का खिलाड़ी था या सिर्फ मोहरा? सौरभ परिवहन विभाग में आरक्षक था।

दोपहर मेट्रो स्पेशल
राजेश सिरोठिया
काली कमाई की परतें पार्ट -3

उसकी सरकारी नौकरी से मिलने वाली आय और जांच में सामने आई संपत्ति के बीच का अंतर ही इस मामले की बुनियादी विसंगति है। यदि जांच एजेंसियों के आरोप सही हैं तो इतनी बड़ी रकम बनाने और उसे अलग-अलग संपत्तियों तथा कंपनियों में लगाने के लिए अकेले किसी आरक्षक की क्षमता पर सवाल उठना स्वाभाविक है।

परिवहन विभाग की व्यवस्था में चेकपोस्ट और सड़क पर वाहनों की जांच कमाई का महत्वपूर्ण हिस्सा रहे हैं। सौरभ की कथित भूमिका को लेकर यह आरोप सामने आया कि वह चेकपोस्ट से होने वाली वसूली की व्यवस्था में एक कड़ी था। लेकिन, यहां पत्रकारिता का सबसे जरूरी सवाल है कि यदि वह एक कड़ी था तो बाकी कड़ियां कौन थीं? किस अधिकारी के अधीन वह काम करता था? किन चेकपोस्टों पर उसकी तैनाती रही? उस अवधि में वहां कौन अधिकारी पदस्थ थे? क्या उन अधिकारियों की संपत्ति और वित्तीय लेनदेन की भी जांच हुई? क्या किसी अधिकारी के खिलाफ विभागीय या आपराधिक कार्रवाई हुई? इन सवालों के जवाब के बिना सौरभ शर्मा की कहानी अधूरी है।

लोकायुक्त और प्रवर्तन निदेशालय ने सौरभ, उसके सहयोगियों और परिवार से जुड़ी संपत्तियों की जांच की है। ईडी ने ने PMLA के तहत कार्रवाई की, संपत्तियां अटैच कीं और चार्जशीट दाखिल की। लोकायुक्त भी आय से अधिक संपत्ति और भ्रष्टाचार से जुड़े मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई कर रहा है। लेकिन उपलब्ध सार्वजनिक रिकॉर्ड में अभी तक ऐसा निर्णायक दस्तावेज सामने नहीं आया है जिससे यह कहा जा सके कि किसी वरिष्ठ परिवहन अधिकारी को सौरभ के कथित नेटवर्क का मुख्य संचालक या लाभार्थी साबित कर दिया गया है। यही अंतर महत्वपूर्ण है। आरोप और प्रमाण के बीच की दूरी को भरना जांच एजेंसियों का काम है।

सवाल... कंपनियों के जरिए खरीदी गई संपत्तियों का पैसा कहां से आया ?

सौरभ की चुप्पी पर भी सस्पेंस

सौरभ शर्मा को अगस्त 2026 में जमानत मिल गई है। अदालत ने जांच पूरी होने और लंबे समय से हिरासत में रहने जैसे कारणों को ध्यान में रखा। लेकिन जमानत के बाद भी मूल सवाल कायम हैं। मेंडोरी की कार में मिला पैसा किसका था? 51 किलो से अधिक सोना किसके लिए रखा गया था? करोड़ों की संपत्तियों के पीछे वास्तविक लाभार्थी कौन थे? कंपनियों के जरिए खरीदी गई संपत्तियों का पैसा कहां से आया? और यदि यह सब कथित अपराध की आय थी तो इसका अंतिम लाभ किसे मिला? इन सवालों के जवाब केवल दस्तावेजों से नहीं, बल्कि उन लोगों की भूमिका से भी निकलेंगे जो सौरभ के विभागीय और व्यावसायिक नेटवर्क में उसके आसपास थे।

मोहरे से आगे की जांच जरूरी

किसी भी बड़े भ्रष्टाचार प्रकरण में सबसे आसान काम होता है। एक व्यक्ति को पकड़ना और उसके पास मिली संपत्ति का हिसाब लगाना। मुश्किल काम होता है यह पता लगाना कि वह पैसा आया कहां से और आखिर गया किसके पास। सौरभ शर्मा प्रकरण में भी यही कसौटी लागू होती है। यदि वह दोषी है तो कानून अपना काम करेगा। लेकिन यदि उसके पीछे कोई बड़ा नेटवर्क था तो सिर्फ सौरभ पर कार्रवाई करके कहानी पूरी नहीं हो सकती। क्योंकि 108 करोड़ रुपये की कथित अपराध आय किसी एक व्यक्ति की कहानी नहीं, बल्कि उस व्यवस्था की कहानी भी हो सकती है जिसने इतने बड़े धन के प्रवाह को संभव बनाया। और इसी सवाल का सबसे जीवंत उदाहरण है - शाहपुरा का वह चार मंजिला स्कूल भवन, जिसकी जमीन, लीज और निर्माण अनुमति की कहानी खुद कई सवालों को जन्म देती है।

यहीं से अगली कड़ी शुरू होती है....

...जारी

श्रीनगर एयरपोर्ट पर विमान पोल से टकराया आगे का हिस्सा टूटा, सभी यात्री सुरक्षित

श्रीनगर

श्रीनगर एयरपोर्ट पर इंडिगो विमान 6E 225 (VT-NOG) खंभे से टकरा गया। फ्लाइट शुक्रवार सुबह नवी मुंबई से श्रीनगर पहुंची थी। घटना सुबह करीब 9 बजे, बे नंबर 6 पर प्लेन को पार्क करते समय हुई। सभी 200 यात्री और क्रू मेंबर सुरक्षित हैं। किसी के घायल होने की सूचना नहीं है।

पैसेंजर्स और क्रू को मैनुअल एयरक्राफ्ट सीढ़ियों से सुरक्षित उतारा गया। घटना के कारणों की जांच जारी है। फिलहाल श्रीनगर एयरपोर्ट का संचालन सामान्य है और फ्लाइट्स निर्धारित समय पर चल रही हैं।

विमान जिस पोल से टकराया, वह Visual Docking Guidance System (VDGS) का हिस्सा है। यह पोल विमान को पार्किंग एरिया में सुरक्षित लाने के लिए इस्तेमाल होता है।

न्यूज विंडो

फुकेट-दिल्ली फ्लाइट के पायलट का ड्रग टेस्ट पॉजिटिव आया

नई दिल्ली। फुकेट से दिल्ली जा रही एअर इंडिया की फ्लाइट U A12379 के को-पायलट का ड्रग टेस्ट पॉजिटिव आया है। घटना की जांच कर रही एयरक्राफ्ट एक्सीडेंट इन्वेस्टिगेशन ब्यूरो की शुरुआती रिपोर्ट में यह जानकारी सामने आई है। रिपोर्ट के मुताबिक, उड़ान के दौरान एयरबस विमान के फ्लाइट-कंट्रोल सिस्टम ने तीनों हाइड्रोलिक सिस्टम में दबाव कम होने का पता लगाया था। घटना से जुड़े तकनीकी और अन्य पहलुओं की पूरी जांच अभी जारी है। AAIB ने कहा है कि जांच पूरी होने के बाद अंतिम रिपोर्ट जारी की जाएगी।

आरजी कर रेप केस में नपा चेयरमैन गिरफ्तार, सबूत मिटाने का आरोप

बेंगलुरु। आरजी कर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में महिला डॉक्टर से रेप और हत्या के मामले में पानिहाटी नगरपालिका के चेयरमैन और तृणमूल कांग्रेस नेता सोमनाथ डे को गिरफ्तार किया गया है। उन्हें बेंगलुरु में पकड़ा गया औरतड़के पश्चिम बंगाल लाया गया। खड़द पुलिस स्टेशन के अधिकारियों ने बुधवार सुबह बेंगलुरु में छापेमारी के दौरान डे को पकड़ा था। गुरुवार रात करीब 2:20 बजे उन्हें खड़दह पुलिस स्टेशन लाया गया।

रीवा में मूसल से पत्नी और बेटी की हत्या, पुलिस ने गिरफ्तार किया

रीवा। रीवा के बिछिया थाना क्षेत्र में देर रात करीब 1 बजे दोहरे हत्याकांड की सनसनीखेज घटना सामने आई। एक व्यक्ति ने अपनी पत्नी और बेटी पर मूसल से हमला कर उनकी हत्या कर दी। वारदात के बाद पुलिस ने आरोपी पति को गिरफ्तार कर लिया। मृतकों की पहचान सुनैना मिश्रा और उनकी बेटी खुशी मिश्रा के रूप में हुई है।

आज का कार्टून

भोपाल। श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के अवसर पर मुख्यमंत्री निवास में आज 'श्रीकृष्ण पर्व' का आयोजन किया गया। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने बच्चों के साथ पर्व मनाकर प्रदेशवासियों शुभकामनाएं दीं।

कार्यकर्ता के पिता से हुई थी मारपीट

सीजेपी का पार्लियामेंट स्ट्रीट थाने तक मार्च, गिरफ्तारी की मांग

नई दिल्ली। कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के को-कन्वेनर सौरव दास और आशुतोष रांका आज पार्लियामेंट स्ट्रीट पुलिस स्टेशन पहुंचे। वे CJP कार्यकर्ता नीशू आजाद और उनके पिता संजय कुमार के लिए न्याय की मांग कर रहे हैं।सौरव दास का कहना है कि संजय कुमार पर हुए कथित हमले के मामले में FIR दर्ज हो चुकी है, लेकिन डेढ़ महीने से ज्यादा समय बीतने के बाद भी पुलिस ने आरोपी के खिलाफ कोई ठोस कार्रवाई नहीं की है।दरअसल, नीशू आजाद ने जुलाई में जंतर-मंतर पर हुए CJP के प्रदर्शन में हिस्सा लिया था। इसी दौरान उसके पिता संजय कुमार पर कथित रूप से हमला हुआ।

आरोपी ड्राइवर पुलिस की गिरफ्त में

नवी मुंबई में 3 साल की मासूम बच्ची से स्कूल बस में दरिंदगी

मुंबई। महाराष्ट्र के नवी मुंबई से एक सनसनीखेज मामला सामने आया है। जहां कामोठे में एक स्कूल बस ड्राइवर ने 3 साल की बच्ची के साथ दरिंदगी की। परिजनों के शिकायत के बाद पुलिस ने आरोपी बस ड्राइवर को गिरफ्तार कर लिया है। जानकारी के अनुसार, स्कूल की छुट्टी के बाद अन्य बच्चों को अपने-अपने घर पर उतर जाने के बाद 3 साल की बच्ची वैन में अकेली रह गई थी। आरोपी ने इस स्थिति का फायदा उठाते हुए बच्ची का यौन उत्पीड़न किया। इस मामले का खुलासा तब हुआ, जब घर पहुंची बच्ची ने अपनी दादी से पेट दर्द की शिकायत की।

मंदाकिनी फिर उफनी, 28 जिलों में भारी बारिश की चेतावनी

भोपाल- इंदौर में बारिश का दौर सतना-पन्ना में हालात बिगड़े

भोपाल, दोपहर मेट्रो

प्रदेश में आज भी कई जिलों में बारिश का दौर जारी है। भोपाल- इंदौर-सीहोर में सुबह से पानी गिर रहा है। शाजापुर के अकोदिया और श्योपुर में भी बारिश हो रही है। राजधानी में गुरुवार-शुक्रवार की दरमियानी रात बारिश भी हुई।

सतना के चित्रकूट में मंदाकिनी नदी खतरे के निशान से ऊपर बह रही है। स्थानीय निवासी पर्यटकों को किनारे से दूर रहने की समझाइश दे रहे हैं। मंडला में नर्मदा भी उफान पर है। वहीं, छतरपुर-पन्ना और मैहर समेत कई जिलों में बाढ़ के हालात हैं।मौसम विभाग ने प्रदेश के 28 जिलों में अगले 48 घंटे के लिए भारी बारिश की चेतावनी जारी की है। अगले दो दिन तक भोपाल, उज्जैन, सागर, नर्मदापुरम, ग्वालियर और चंबल संभाग में अति भारी या भारी बारिश होने का अनुमान है।

पन्ना के हालात।

गंगा समेत आठ नदियां खतरे के निशान से ऊपर

नई दिल्ली। उत्तर प्रदेश में लगातार हो रही बारिश से 23 जिलों में बाढ़ जैसे हालात बने हुए हैं। वाराणसी और चित्रकूट सबसे ज्यादा प्रभावित हैं। अब तक 16 हजार से अधिक लोगों को बाढ़ प्रभावित इलाकों से रेस्क्यू किया जा चुका है। बिहार के 16 जिलों में बाढ़ से करीब 5 लाख लोग प्रभावित हैं। गंगा समेत 8 प्रमुख नदियां खतरे के निशान से ऊपर बह रही हैं। पटना में गंगा का जलस्तर लगातार बढ़ रहा है। इसे देखते हुए पटना सुरक्षा दीवार के सभी 108 रास्तों को बंद कर दिया गया है, ताकि नालों के जरिए शहर में पानी न घुसे। हिमाचल प्रदेश में इस मानसून सीजन में बारिश से जुड़ी घटनाओं में अब तक 266 लोगों की मौत हो चुकी है। इनमें 158 मौतें सड़क हादसों, 18 लैंडस्लाइड, 13 डूबने और एक मौत फ्लैश फ्लड के कारण हुई है। वहीं, अन्य मौतें अलग-अलग कारणों से हुई हैं।

मेट्रो एंकर | प्लास्टिक के कचरे से पर्यावरण को बचाने के लिए की पहल और बन गईं प्रेरणा

70 की उम्र में 'इको-दादी' का कमाल, पत्तों के बिजनेस से दिया रोजगार

रायपुर, एजेंसी

उम्र केवल एक संख्या है.. इस कहावत को तमिलनाडु के एक छोटे से गाँव की रहने वाली 70 वर्षीया शांति अमम्मा (दादी) ने सच साबित कर दिखाया है। जीवन के उस पड़ाव पर जहाँ लोग अक्सर रिटायरमेंट लेकर आराम की जिंदगी बिताना पसंद करते हैं, शांति अमम्मा ने न केवल एक सफल और पर्यावरण-अनुकूल (इको-फ्रेंडली) बिजनेस खड़ा किया, बल्कि अपने आसपास की दर्जनों ग्रामीण महिलाओं के जीवन में आत्मनिर्भरता का नया सवेरा भी लाई।

कहानी की शुरुआत कुछ साल पहले हुई जब शांति अमम्मा ने अपने गांव और आसपास के बाज़ारों में प्लास्टिक के कचरे का ढेर देखा। सिंगल-यूज़ प्लास्टिक की वजह से नाले जाम हो रहे थे, खेतों की मिट्टी खराब हो रही थी और मवेशी बीमार पड़ रहे थे। इस समस्या से दुखी होकर उन्होंने फैसला किया कि वे शिकायत करने के बजाय खुद इसका कोई स्थायी समाधान निकालेंगी। उन्हें याद आया कि उनके बचपन में गाँव के लोग भोजन और सामान रखने के लिए प्रकृति की दी हुई चीजों का इस्तेमाल करते थे। इसी पारंपरिक ज्ञान को आधार बनाकर उन्होंने केले के सूखे पत्तों, तने की छाल और नारियल के छिलकों व रेशों से दैनिक उपयोग की वस्तुएं बनाने का प्रयोग शुरू किया।

महिलाओं के लिए उम्मीद की किरण

जब शांति अमम्मा के बनाए उत्पादों की स्थानीय बाज़ारों में माँग बढ़ने लगी, तो उन्होंने इसे केवल अपने मुनाफे तक सीमित नहीं रखा। उन्होंने गाँव की उन महिलाओं पर ध्यान दिया जो आर्थिक तंगी से जूझ रही थीं या जिनके पास आय का कोई स्वतंत्र जरिया नहीं था। उन्होंने गाँव की ग्रामीण महिलाओं को एक जगह इकट्ठा किया और उन्हें केले के पत्तों और नारियल के रेशों से सामान बनाने का मुफ्त प्रशिक्षण देना शुरू किया। आज उनकी छोटी सी यूनिट में 50 से अधिक ग्रामीण और ज़रूरतमंद महिलाएं काम कर रही हैं। शहर के कई होटल, कैफे और शादी-समारोह के आयोजक अब प्लास्टिक और थर्माकोल के बर्तनों को छोड़कर इनके द्वारा बनाए गए पत्तों के बर्तनों का इस्तेमाल कर रहे हैं।

रसोई से ग्लोबल विज़न तक

शुरुआत में यह सफर आसान नहीं था। 70 वर्ष की उम्र में नई तकनीक सीखना, उत्पादों को मजबूती देना और सही तकनीक खोजना एक बड़ी चुनौती थी। लेकिन शांति अमम्मा ने हार नहीं मानी। उन्होंने अपने घर की रसोई को ही अपनी प्रयोगशाला बनाया। उन्होंने केले के पत्तों को सुखाने, उन्हें आकार देने और बिना किसी केमिकल के प्राकृतिक गोंद से जोड़ने का तरीका खोज निकाला। कुछ महीनों की कड़ी मेहनत के बाद उन्होंने ऐसी प्लेटें, कटोरे, चाय के कप और कैरी बैग तैयार किए जो 100 फ़ीसदी बायोडिग्रेडेबल (जैविक रूप से नष्ट होने वाले) हैं। इन बर्तनों की सबसे बड़ी खासियत यह है कि इस्तेमाल के बाद मिट्टी में फेंक दिए जाने पर ये मात्र कुछ ही हफ्तों में खाद में बदल जाते हैं।

न्यूज विंडो

बैरसिया बस स्टैंड बदहाल, कीचड़ और गड्ढों से कैसे निकलें यात्री

भोपाल। राजधानी के सिंधी कॉलोनी स्थित बेरसिया बस स्टैंड की बदहाली यात्रियों के लिए परेशानी का सबब बनी हुई है। बसों की आवाजाही के बीच सड़क पर जगह-जगह बड़े गड्ढे हैं, जिनमें बारिश का गंदा पानी और कीचड़ भरा हुआ है। इससे यात्रियों को बस तक पहुंचने में भी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। सिंधी कॉलोनी और पुतलीघर क्षेत्र में बस स्टॉप होने के बावजूद यहां बुनियादी सुविधाओं का अभाव नजर आ रहा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि जिम्मेदार विभाग को कई बार समस्या से अवगत कराया जा चुका है, लेकिन अब तक सुधार नहीं हुआ। यात्रियों ने जल्द सड़क दुरुस्त कराने की मांग की है।

घर से लापता हुए युवक का शव खेत के पेड़ पर लटका मिला

भोपाल। बिलखिरिया थाना क्षेत्र स्थित अमझिर गांव में बुधवार सुबह एक युवक का शव खेत पर इमली के पेड़ पर फंदे से लटकता मिला। मृतक बुधवार दोपहर घर से अचानक गायब हो गया था। परिजन उसे ढूंढ़ रहे थे। परिजनों को गांव के रहने वाले जगदीश के खेत पर नीम के पेड़ पर फांसी देख पुलिस को सूचना दी थी। पुलिस ने बताया, रोहित मालवीय (28) घर से निकला था। तब से गायब था। उसने आत्महत्या की या यह हत्या है? पुलिस जांच कर रही है।

सड़क पर बिल्डिंग मटेरियल बेचने वाले 7 कारोबारियों पर जुर्माना

भोपाल। नगर निगम ने शहर में गुरुवार को विभिन्न क्षेत्रों में कार्रवाई करते हुए मुख्य मार्ग पर बिल्डिंग मटेरियल रखकर कारोबार करने वाले 7 व्यवसायियों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए 33 हजार रुपए की राशि वसूल की है। अमले ने क्षेत्र में साफ-सफाई व्यवस्था की निगरानी के दौरान जोन 16 के वार्ड 73 और 76 के 80 फीट रोड मुख्य मार्ग पर बिल्डिंग मटेरियल दिखा तो कारोबारियों पर तत्काल कार्रवाई की।

किडजी स्कूल में बाल कृष्ण और राधा, बजाई बांसुरी, मटकी फोड़ी

भोपाल। लालघाटी स्थित किडजी स्कूल में शुक्रवार को जन्माष्टमी का त्योहार धूमधाम से मनाया गया। स्कूल के छोटे बच्चों ने राधा कृष्ण का रूप बनाया। वे हाथों में बांसुरी और सिर पर मोर पंख लगाकर पूरी तरह भगवान कृष्ण की तरह ही नजर आए। भगवान कृष्ण के वेष में मेधांश नीर जैन नजर आए तो अंकिता और इंजीनियर सौरभ जैन ने मटकी फोड़ी।

चेतक ब्रिज की रेलिंग से टकराई बाइक, घायल युवक की मौत

भोपाल। चेतक ब्रिज के पास हादसे में घायल युवक की 10 दिन बाद मौत हो गई। पन्ना जिले का अमित अहिरवार मजदूरी करता था। जहांगीराबाद में रहता था। 24 अगस्त की रात को बाइक चेतक ब्रिज की रेलिंग से टकरा गई।

मंदिर सजकर तैयार, बरसती बूंदों के बीच आराधना करने सुबह से ही मंदिरों में पहुंचे कृष्णभक्त

द्वापर जैसी बारिश की लगी झड़ी, आधी रात आएंगे कान्हा

भोपाल। दोपहर मेट्रो

भादौ की झड़ी...सुबह से आसमान पर छाए बादल और लगातार बरसती बूंदें मानो द्वापर युग की उस रात की याद दिला रही हैं, जब मथुरा के कारागार में घनघोर बारिश के बीच भगवान श्रीकृष्ण ने जन्म लिया था। कुछ ऐसा ही माहौल आज भोपाल में भी बना हुआ है। सुबह से रुक-रुककर हो रही बारिश ने जन्माष्टमी के उल्लास को और बढ़ा दिया है। राजधानी के सजे मंदिरों में सुबह से ही आराधना का दौर शुरू हो गया। बिरला मंदिर, श्रीकृष्ण प्रणामी मंदिर और इस्कॉन समेत शहरभर के मंदिरों में श्रद्धालु उमड़े। अब रात 12 बजे शंख, घड़ियाल और हरनाम संकीर्तन के बीच भगवान प्रकट होंगे और नंद के घर आनंद भयो, जय हो कन्हैया लाल की..जैसे उद्घोष से मंदिर गूंज उठेंगे।

बिरला मंदिर में अहमदाबाद से आई राधाकृष्ण के वस्त्र

बिरला मंदिर के व्यवस्थापक केके पांडे ने बताया कि अहमदाबाद से भगवान की पोशाक आई है। इसमें आभूषण, मुकुट, मालाओं के जड़े का काम किया गया है। मंदिर परिसर में आकर्षक सजावट की जा रही है। इस दिन भजन संध्या का आयोजन भी किया जाएगा।

दिन में शोभायात्रा, रात में बधाइयां

शहर में भी जगह-जगह झांकियां सजाई जाएंगी। श्रीकृष्ण और राधा रूप सज्जा प्रतियोगिताएं की जाएंगी। श्रीकृष्ण-रुक्मणी मंदिर बरखेड़ा से शोभायात्रा निकली। इस्कॉन मंदिर पटेल नगर में जैसलमेर की थीम पर सजावट की गई है। श्रीराधा-कृष्ण के लिए भगवान राधा-कृष्ण के लिए वृंदावन एवं जयपुर से लगभग पांच लाख रुपए की विशेष पोशाक तैयार कराई गई है। इस वर्ष पूरे मंदिर परिसर को जैसलमेर की पारंपरिक थीम पर विशेष रूप से सजाया जाएगा। बड़ी मात्रा में फूल बालमुकुंद की पुष्प वाटिका से मंदिर पहुंचेंगे। इस्कॉन कोलार में भक्ति, उल्लास और वैदिक परंपरा के साथ उत्सव मनाएगा। रात में प्रभु के जन्म के साथ ही बाधाइयों का दौर शुरू होगा।

फर्जी आईएएस ने बैतूल की दो लड़कियों को अफसर बनाने का सपना बेच ठगे रुपए

कभी IAS तो कभी टीचर बनी तृप्ति जिससे शादी की, उसे भी दिया धोखा

भोपाल। दोपहर मेट्रो

फर्जी आईएएस तृप्ति सिंह राजपूत के पुलिस गिरफ्त में आते ही उसके कारनामों के नए-नए खुलासे हो रहे हैं। तृप्ति ने विधानसभा परिसर में जिन दो लड़कियों ख्याति और विशाखा के साथ वीडियो बनाया। इसमें खुद को आईएएस बताकर प्रोबेशनर बताया। उन्हीं दोनों लड़कियों से भी उसने ठगी की। दोनों लड़कियों को उसने आईएएस बनाने के सपने बेचे। उसने खुद को प्रशासनिक अकादमी में शिक्षिका और सिविल सर्विस की कोचिंग देने वाली बताया। दोनों लड़कियों से आईएएस बनवाने के नाम पर 3-3 लाख रुपए ठग लिए। पुलिस ने दोनों पीड़ित लड़कियों को ढूंढ़ निकाला है। बागसेवनिया में रहने वाली तृप्ति और भाई सुधांशु सिंह को पुलिस ने चार दिन की रिमांड पर लिया तो यह खुलासा हुआ। तृप्ति ठगी की इतनी करतूत से तृप्त नहीं हुई। उसने एक बड़े बिल्डर के बेटे से शादी की है। बिल्डर परिवार को बताया कि तृप्ति प्रशासनिक अकादमी में शिक्षिका है। बाद में असली पहचान सामने आई तो ससुराल में विवाद शुरू हो गया। बाद में तृप्ति से पति से अलग हो गई।

यही वह तस्वीर है, जिसमें तृप्ति ने दूसरी युवतियों के साथ खुद को प्रोबेशनर आईएएस बताया। बाद में इन लड़कियों से भी ठगी कर ली।

कोचिंग में लेक्चरर दिया और बनाया निशाना

पुलिस ने बताया कि तृप्ति ने कुछ साल पहले साकेत नगर स्थित एक कोचिंग संस्थान में सिविल सर्विस की तैयारी करने वाले छात्रों से बातचीत की थी। इस दौरान वह छात्रों को परीक्षा की तैयारी, लक्ष्य और करियर से जुड़े विषयों पर मार्गदर्शन दिया था। उसने कुछ अन्य कोचिंग संस्थानों में भी सिविल सर्विस अभ्यर्थियों को लेक्चर दिए थे। इसी दौरान ठगी की तैयारी शुरू कर दी। कुछ युवाओं को भी निशाना बनाया। पुलिस उन युवाओं की तलाश कर रही है।

तृप्ति बटोरती थी रुपए, प्रखर भेजता था फर्जी ज्वॉइनिंग लेटर

लखनऊ से गिरफ्तार एक और साथी तृप्ति के एक साथी प्रखर उर्फ सानू को अशोकनगर पुलिस ने लखनऊ से गिरफ्तार किया। उसी ने अशोकनगर के जय कुमार कोली को फर्जी ज्वॉइनिंग लेटर भेजा था। मोबाइल में तृप्ति के साथ हुई चैट भी मिली है। आरोपी को जेल भेज दिया गया। पुलिस की जांच में ठगों के इस गिरोह में अब दो नए किरदारों के नाम सामने आए हैं। ये आरोपी तुनुज वैश्य और अंजलि सिंह हैं। बागसेवनिया पुलिस दोनों की तलाश कर रही है। पुलिस का कहना है, और भी खुलासे होंगे।

वीडियो से ऐसा प्रभाव बनाया... लोग आसानी से ठगाते चले गए

फर्जी आईएएस तृप्ति ने ठगी के लिए अपना प्रभाव भी वीडियो से ही बनाया। उसने माव संग्रहालय की संकुल वीथिका में वीडियो बनाया। लेकिन वीडियो में इसे विधानसभा बताया। वीडियो के लिए बैतूल की दोनों युवतियां विशाखा और ख्याति को स्क्रिप्ट दी। उन दोनों युवतियों ने भी कहा कि हम प्रोबेशनर हैं और तृप्ति सीनियर आईएएस हैं। ऐसे वीडियो देखकर लोग आसानी से शातिर दिमाग वाली तृप्ति के चंगुल में फंस जाते थे। विशाखा और ख्याति ने भी चंगुल में फंसकर उसे करीब तीन-तीन लाख रुपए दे दिए।

तृप्ति का सोशल मीडिया अकाउंट खंगाला जा रहा

पीड़ित ख्याति और विशाखा की शिकायत के बाद पुलिस अब तृप्ति सिंह के कथित फर्जी अधिकारी नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की भूमिका की भी जांच कर रही है। उसके संपर्क में कितने लोग थे। उसके मोबाइल, दस्तावेज और बैंक खातों के लेनदेन की भी जांच की जा रही है। तृप्ति के सोशल मीडिया अकाउंट और उसके भाई सुधांशु के नेटवर्क को खंगाला जा रहा है।

टीटी नगर क्षेत्र की घटना

टीवी देखने पर बहन से विवाद, लगाया फंदा

भोपाल। दोपहर मेट्रो

टीटी नगर थाना क्षेत्र स्थित पंचशील नगर में नवमीं कक्षा के छात्र ने फांसी लगा ली। नगर निगम में प्लंबर उसके पिता से सूचना पर पुलिस अस्पताल ले गई, जहां हालत नाजुक देखते हुए हमीदिया अस्पताल रेफर कर दिया गया। हमीदिया अस्पताल में इलाज के दौरान छात्र की मौत हो गई। प्राथमिक जांच में यह बात सामने आई कि टीवी देखने समय बहन से उसका किसी बात को लेकर विवाद हुआ था। विवाद के बाद बहन कमरे से बाहर चली गई। इसी दौरान उसने फांसी लगा ली। पुलिस के अनुसार पंचशील नगर निवासी प्रिंस मौर्य (14) पिता जगदीश मौर्य, टीटी नगर में परिवार के साथ रहता था। वह नौवीं कक्षा में पढ़ता था।

उस के पिता न्यू मार्केट में कपड़े की दुकान पर काम करते हैं। मां घरों में काम करने जाती हैं। वह 29 अगस्त की शाम घर पर बहन के साथ टीवी देख रहा था। 10 वीं कक्षा में पढ़ने वाली बड़ी बहन से उसका विवाद हो गया था। विवाद के बाद बहन गुस्से में घर की छत पर चली गई, जबकि वह अपने कमरे में चला गया। कुछ देर बाद बहन छत से नीचे आई तो उसने खुद को कमरे में फंदे पर लटक देखा। यह उसे तड़पता देख घबरा गई और तत्काल पड़ोसियों को बुलाया। पड़ोसियों की मदद से शव को फंदे से नीचे उतारा गया और अस्पताल ले जाया गया। यहां से डॉक्टर ने हमीदिया अस्पताल रेफर कर दिया। हमीदिया में इलाज के दौरान छात्र की बुधवार शाम मौत हो गई।

छठवें शांति-गया साहित्य, कला-खेल संवर्द्धन के वार्षिक सम्मानों की घोषणा

प्रबोध को साहित्य शिखर, हॉकी ओलंपियन अशोक को लाइफ टाइम अचीवमेंट अवॉर्ड

भोपाल। दोपहर मेट्रो

'शांति-गया साहित्य, कला एवं खेल संवर्धन समिति' के छठवें वार्षिक सम्मानों की घोषणा कर दी गई। समिति अध्यक्ष कांति शुक्ला 'उर्मि' एवं सचिव अरुण अर्णव खरे ने कहा, 22 अक्टूबर को सम्मानित किया जाएगा। इस वर्ष का शांति-गया साहित्य शिखर सम्मान जयपुर के वरिष्ठ साहित्यकार प्रबोध गोविल को दिया जाएगा। ओडिशा के दिनेश माली को हरिशंकर श्रीवास्तव साहित्य श्री सम्मान देंगे। कृति सम्मानों में नैली राजेश सिंह स्मृति उपन्यास सम्मान गाजियाबाद के आचार्य राजेश कुमार, उदयपुर की आशा पांडेय को संयुक्त रूप से, लघुकथा सम्मान शर्मिला चौहान एवं मनोरमा पंत को एवं बाल साहित्य में डॉ. मालती बसंत एवं पद्मा चौगांवकर को दिए जाएंगे। शकुंतला उर्मलिया श्रेष्ठ कृति सम्मानों के लिए दीपक गिरकर व सुदर्शन सोनी, कर्नल डॉ. गिरिजेश सक्सेना व डॉ. वर्षा ढोबले (लघुकथा), लाल देवेंद्र श्रीवास्तव व जीनत एहसान कुरैशी (बाल साहित्य) का चयन किया। कला में हिदायत खान (जोधपुर), भोपाल के सुधीर पंडया को खेलों में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए अशोक कुमार (हॉकी), लाइफ टाइम अचीवमेंट एवं जीएल यादव (सेलिंग खिलाड़ी) व खेल लेखन में हरीश हर्ष (भिलाई) को सम्मानित किया जाएगा।

सीलिंग से परेशान व्यापारियों के साथ उतरी कांग्रेस, कोलार में करेगी प्रदर्शन

भोपाल। बुधवार को कोलार बंद के सफल आयोजन के बाद गुरुवार को कांग्रेस नेताओं ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर सीलिंग से परेशान व्यापारियों की मांगों का समर्थन किया। पूर्व विधायक जितेंद्र डागा ने कहा कि वर्षों से कारोबार कर रहे व्यापारियों को राहत मिलनी चाहिए। वहीं, ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष राहुल सिंह राठौड़ ने कहा कि कांग्रेस व्यापारियों के साथ मजबूती से खड़ी है। उन्होंने ऐलान किया कि 5 सितंबर को कोलार में व्यापारियों के समर्थन में प्रदर्शन व चक्काजाम किया जाएगा। जरूरत पड़ने पर सुप्रीम कोर्ट में वकीलों के माध्यम से व्यापारियों का पक्ष भी रखा जाएगा। प्रेस वार्ता में राजकुमार सिंह, मंगल सिंह यादव, सुखलाल ठाकुर सहित कई कांग्रेस नेता मौजूद रहे।

वक्फ की जमीन में हेरफेर का मामला

दारुल शफकत सोसाइटी के पूर्व अध्यक्ष को जमानत नहीं

भोपाल। दोपहर मेट्रो

यतीम खाने की वक्फ जमीन पर अवैध कब्जे, धोखाधड़ी और कागजातों में हेरफेर के आरोपी दारुल शफकत सोसाइटी भोपाल के पूर्व अध्यक्ष शाहिद अलीम खान (70) की ओर से पेश की गई अग्रिम जमानत याचिका को अपर सत्र न्यायाधीश प्रवीण पटेल ने निरस्त कर दिया है। उन्होंने सुनवाई के बाद मामला गंभीर प्रवृत्ति का माना। सरकारी वकील ने अपनी बहस में कहा कि आरोपी सोसाइटी को करीब 2.7 एकड़ की वक्फ जमीन केवल संस्थान चलाने की अनुमति दी गई थी, लेकिन आरोपी ने खुद को इसका पूर्ण मालिक बताते हुए नगर निगम से नक्शा पास करवा लिया और इसे किराए पर देकर आय अर्जित की। मप्र वक्फ बोर्ड ने दारूल शफकत सोसाइटी भोपाल 28 करोड़ 91 लाख की वसूली का नोटिस भी जारी किया था, पर आरोपी ने राशि भी जमा नहीं करवाई।

मेट्रो एंकर | **दशलक्षण पर्व के अवसर पर विधोदय अध्यात्म साधना शिविर 16 से 25 तक**

वेदना में दुखी होना ही संवेदना है..खुद के आंसू आए तो वेदना और दूसरों के पोंछे तो यह संवेदना है, इसे जीवन में अपनाओ: आचार्यश्री

भोपाल। दोपहर मेट्रो

आचार्य समय सागर महाराज सा संघ वर्षा योग में संतों की निरंतर तप त्याग संयम की साधना चल रही है। मुनि संघ की भगवान आदिनाथ की वंदना के साथ आध्यात्मिक क्रिया में बड़ी तादाद में समाजजन शामिल हो रहे हैं। रोज कठोर साधना के साथ संतों के निरंतर उपवास के तप भी हो रहे हैं। लेकिन ये तप उपवास के बावजूद भी मानो अंदर से ऊर्जा पैदा कर रहे हैं। उनकी दिव्यता देखते ही बन रही है।

इस दौरान आचार्यश्री ने कहा, दूसरों की वेदना में दुखी होना ही संवेदना है। वर्तमान में हर सांसारिक प्राणी गलतियां कर दोष कर रहा है। जीवन को पवित्र बनाना है तो अपने दोषों का शोधन करो। अपने दोषों की स्वीकृति के साथ उनके संशोधन का संकल्प लो। स्वयं के आंसू आना वेदना और दूसरों के आंसू पोंछना संवेदना है।

सुविधाओं से दूर रहकर करेंगे 16 से आराधना

कई शहरों के श्रद्धालु आएंगे

चातुर्मास समिति के प्रमुख मनोज बांगा विनोद चौधरी अनुपम ने बताया आचार्य संघ सानिध्य में आत्म शुद्धि के दस धर्मों की आराधना के साथ विधोदय अध्यात्म साधना शिविर का आयोजन 16 से 25 तक चलता रहेगा। इसमें कई शहरों के श्रद्धालु शामिल होंगे। उनका निर्देशन ब्रह्मचारी विनय बंडा करेंगे। इनमें कई शहरों के श्रद्धालु आचार्य संघ के सानिध्य में सुख सुविधाओं से दूर रहकर नियमों से संकल्पित होकर भगवान जिनेंद्र की आराधना करेंगे।

अष्ट द्रव्य समर्पित

समिति प्रवक्ता सुनील जैनाविन ने बताया आचार्य श्री विद्या सागर महाराज के गुणों की वंदना में अष्ट द्रव्य अर्पित करने का सौभाग्य आह्वान ग्रुप के सदस्यों को मिला। ग्रुप के प्रमुख सदस्य डॉ सर्वज्ञ जैन मिली जैन को सपरिवार दीप प्रज्वलन का अवसर मिला। इस दौरान विवेक चौधरी, अमित सी एस, शैलेश मुन्ना, राजीव, हिमांशु, नीरज जैन ऋचा श्रुति जैन नम्रता आदि मौजूद थे।

एक साल बाद उपभोक्ता फोरम का फैसला

ट्रेन रद्द होने पर दिया आधा रिफंड, रेलवे पर जुर्माना, अब ब्याज समेत लौटाएगा

भोपाल। दोपहर मेट्रो

ट्रेन निरस्त होने के बाद यात्री को पूरा रिफंड न देने पर आईआरसीटीसी पर जुर्माना लगाया गया है। मामला भोपाल जिला उपभोक्ता आयोग से जुड़ा है। आयोग ने फैसला सुनाते हुए रेलवे पर जुर्माना लगाया है। मामले में आयोग ने बकाया राशि 7 फीसद ब्याज के साथ देने के आदेश भी दिए हैं। कोहेफिजा निवासी उपभोक्ता ने आगरा से भोपाल आने के लिए सुपरफास्ट ट्रेन का टिकट बुक कराया था। उन्होंने 4,350 रुपए का भुगतान किया था। एक हफ्ते पहले ट्रेन निरस्त होने की जानकारी का मैसेज मिला। उपभोक्ता ने अगले ही दिन यात्रा के लिए दूसरी ट्रेन में टिकट बुक की। उपभोक्ता ने रिफंड के लिए रेलवे से संपर्क किया। दस महीने बाद जब रिफंड आया तो सिर्फ 2,230 रुपए प्राप्त हुए। करीब 2120 रुपए उन्हें वापस नहीं किए गए। उपभोक्ता ने 2024 में उपभोक्ता फोरम में केस दायर किया। मामले में रेलवे ने तर्क दिया कि टिकट की बुकिंग-कैंसिलेशन आईआरसीटीसी के जरिए हुआ था, इसलिए जिम्मेदारी आईआरसीटीसी की है। वहीं, आईआरसीटीसी ने जिम्मेदारी से पल्ला झाड़ लिया। ऐसे में उपभोक्ता आयोग ने रेलवे व आईआरसीटीसी को जुर्माना राशि 15 हजार रुपए और बकाया राशि 7 फीसद ब्याज से देने के आदेश दिए।

नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री — डॉ. मोहन यादव, मुख्यमंत्री

श्रीकृष्ण पर्व

विक्रम सम्वत् 2083, कृष्ण पक्ष, अष्टमी (4 सितम्बर 2026, शुक्रवार)

घर-घर गोकुल, घर-घर गोपाल

मध्यप्रदेश के 55 जिलों के 111 स्थानों पर सांस्कृतिक आयोजन

7500 से अधिक श्रीकृष्ण मंदिरों में साज-सज्जा, भव्य जन्मोत्सव में प्रदेश के 1500 से अधिक कलाकारों की भागीदारी

मुख्यमंत्री निवास पर विशेष आयोजन

श्रीकृष्ण नृत्य नाटिका	मलखंब	फूलों की होली	भजन गायन	मटकी फोड़
कविता शाजी एवं ग्रुप, भोपाल	डॉ. आशीष मेहता, उज्जैन	जुगलकिशोर नामदेव, सागर	तनिष्क शुक्ला एवं ग्रुप, जबलपुर	101 बच्चे राधाकृष्ण की वेशभूषा में होंगे शामिल

भूमिपूजन

शौर्य, आस्था और संस्कृति का नया धाम, अलौकिक आभा और दिव्यता का संगम **श्री परशुराम श्रीकृष्ण लोक** का भूमिपूजन
मुख्यमंत्री **डॉ. मोहन यादव** द्वारा 4 सितम्बर 2026 । जानापाव, इंदौर

29 अगस्त से 04 सितम्बर, 2026
श्री रासलीला समारोह, रवीन्द्र भवन, भोपाल

02 से 06 सितम्बर, 2026
श्री नारायणा धाम मंदिर प्रांगण, नारायणा (उज्जैन)

02 से 04 सितम्बर, 2026
सांदीपनि आश्रम, उज्जैन

02 से 04 सितम्बर, 2026
श्री रामलीला चौक, महिदपुर (उज्जैन)

02 सितम्बर 2026
श्री बलदेवजी मंदिर परिसर, पत्रा

03 एवं 04 सितम्बर, 2026
जुगल किशोर मंदिर प्रांगण, पत्रा

03 एवं 04 सितम्बर, 2026
थाना परिसर के पीछे, अमझेरा (धार)

राधा कृष्ण मंदिर पीपलझर, खरगौन	सत्यनारायण मंदिर बड़वाह, खरगौन	राधा कृष्ण मंदिर पिपलिया बुजुर्ग, खरगौन	राधा कृष्ण मंदिर सनावद, खरगौन	राधा कृष्ण मंदिर ओझर, बड़वानी	नमः शिवाय मिशन शिव कोठी ओंकारेश्वर, खण्डवा	श्री राधा कृष्ण मंदिर नरसिंहगढ़, राजगढ़	श्री राधाकृष्ण मंदिर ब्यावर, राजगढ़	श्री कृष्ण मंदिर सारणी, बैतूल
स्वामीनारायण मंदिर सीहोर	श्री राधा कृष्ण सरकार मंदिर बैरसिया, भोपाल	राधा कृष्ण मंदिर चंद्रपुरा, मंदसौर	रणजीत हनुमान मंदिर जावरा, रतलाम	श्री राधे श्याम मंदिर रतलाम	श्री खाटू श्याम मंदिर उज्जैन	शिव राम कृष्ण मंदिर नीमच	श्री राधा कृष्ण मंदिर महिदपुर, उज्जैन	श्रीराम मंदिर आगर-मालवा
बावड़ी मंदिर धार	श्री राम राधाकृष्ण मंदिर नरसिंहपुर	राधा वल्लभ मंदिर रायसेन	राधाकृष्ण मंदिर राजगढ़	राधे कृष्ण मंदिर बैतूल	द्वारकाधीश मंदिर ग्वालियर	राधा बल्लभ मंदिर भिण्ड	गंगा दास की बड़ी शाला ग्वालियर	सिद्धेश्वर मंदिर शिवपुरी
श्री गोपाल मंदिर गुना	नंद किशोर मंदिर दतिया	श्री बिहारी जी का मंदिर दतिया	राम जानकी मंदिर रायसेन	बिहारी जी मंदिर सागर	देव जानकी बडा मंदिर सागर	राधा कृष्ण मंदिर रायसेन	राधाकृष्ण मंदिर रसूलपुर त्योंदा, रायसेन	कृष्ण मंदिर गुलाबगंज, विदिशा
राधा कृष्ण चौपड़ा मंदिर तिली वार्ड, सागर	पहलवान बब्बा मंदिर सागर	राधा कृष्ण मंदिर गैरतगंज, रायसेन	लक्ष्मीनारायण बिड़ला मंदिर भोपाल	खाटू श्याम मंदिर विदिशा	श्याम मंदिर हरदा	श्रीकृष्ण मंदिर तिप्ता बाजार, रायसेन	श्रीकृष्ण मंदिर सांची, रायसेन	श्री राम जानकी मंदिर चित्रकूट, सतना
श्री व्यंकटेश मंदिर मुख्तियार गंज, सतना	श्री राम जानकी मंदिर मैहर	श्री लक्ष्मण बाग मंदिर रीवा	सर्वेश्वर मंदिर सिंगरौली	श्रीकृष्ण मंदिर गोपाल दास मंदिर सीधी	श्री राम मंदिर कटनी	श्री कृष्ण मंदिर छिंदवाड़ा	नरसिंह मंदिर अलीराजपुर	राधा कृष्ण मंदिर पांडुर्णा
राधा कृष्ण मंदिर शाजापुर	राधा कृष्णा मंदिर अशोक नगर	माजिसा राधा कृष्ण मंदिर झाबुआ	साँवरिया सेठ मंदिर धार	राधा कृष्ण मंदिर बुधनी, सीहोर	राधा कृष्णा मंदिर देवास	श्री द्वारकाधीश राधा कृष्ण मंदिर सिवनी	श्री कृष्ण मंदिर नरसिंगपुर	श्री सागरेश्वर नाथ उमरिया
रामकृष्ण मंदिर बालाघाट	लक्ष्मी नारायण मंदिर शहडोल	रामकृष्ण कुटीर (सांधा) अमरकंटक, अनूपपुर	राधा कृष्ण मंदिर मण्डला	राधा कृष्ण मंदिर डिंडोरी	श्री राम मंदिर प्रांगण बुरहानपुर	खंडिया वाले हनुमान जी मंदिर निवाड़ी	कृष्ण मंदिर हनुमान चौक देवास	राधा कृष्ण मंदिर जबलपुर
श्री कृष्ण शिव मंदिर परिसर औबेदुल्लागंज, रायसेन	खाटू श्याम मंदिर ब्यावरा, राजगढ़	इस्कॉन मंदिर उज्जैन	श्री कृष्ण प्रणामी मंदिर भोपाल	राधा कृष्ण मंदिर पिपरिया, नर्मदापुरम	कुण्डलेश्वर टीकमगढ़	सोमेश्वर महादेव मंदिर भोपाल	श्री राधाकृष्ण मंदिर मंडीदीप, जिला रायसेन	राधा कृष्ण मंदिर मुरैना
श्री राधा कृष्ण मंदिर रतनगमा, मऊगंज	माँ बिरासनी क्रिकेट स्टेडियम पाली (उमरिया)	मानस भवन सभागार शहडोल	महिष्मति घाट मण्डला	परशुराम जन्मस्थली जानापाव, महू	कृष्णा राजकपूर ऑडिटोरियम रीवा	मानस भवन सभागार दमोह	श्रीराधा-कृष्ण मंदिर खातेगाँव, देवास	गोपाल मंदिर उज्जैन
रणछोड़ मंदिर आगर-मालवा	राधा कृष्ण मंदिर जामगढ़, रायसेन	राधेश्यामजी मंदिर राघौगढ़, गुना	श्रीकृष्ण मंदिर तराना, उज्जैन	राधाकृष्ण मंदिर भितरवार, ग्वालियर	श्रीराधा-माधव मंदिर बिजावर, छतरपुर	श्रीराधा-कृष्ण मंदिर बदरवास,शिवपुरी	श्रीनाथद्वारा जी मंदिर झाबुआ	नाथद्वारजी मंदिर जावद, नीमच
		द्वारकाधीश मंदिर मनासा, नीमच	श्रीराधाकृष्ण मंदिर मल्हारगढ़, मंदसौर	श्री कल्याणरायजी की हवेली खिलचीपुर,राजगढ़	चक्रधारी मंदिर अम्बाह, जिला-मुरैना	श्रीगोपाल-कृष्ण जी मंदिर देपालपुर, इंदौर		

श्रीकृष्ण पाथेय न्यास
मध्यप्रदेश शासन संस्कृति विभाग का आयोजन

सहभागिता
स्कूल शिक्षा विभाग, उच्च शिक्षा विभाग, तकनीकी शिक्षा, लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग, कौशल विकास एवं रोजगार विभाग, खेल एवं युवा कल्याण विभाग, जनजातीय कार्य विभाग, किसान कल्याण एवं कृषि विकास, जनसंपर्क विभाग

D-11105/26

अर्थव्यवस्था का चेहरा

किसी शहर की अर्थव्यवस्था का चेहरा केवल बड़े उद्योगों, मॉल और चमकते बाजारों में नहीं दिखता। वह सुबह खुलने वाली चाय की दुकान, सब्जी के ठेले, छोटी गैराज, दर्जी की दुकान और घर से चलने वाले कारोबार में भी सांस लेता है। ये कारोबार भले छोटे हों, लेकिन इनके सहारे चलने वाले परिवारों की संख्या बहुत बड़ी है। विडंबना यह है कि यही छोटा कारोबारी सबसे अधिक असुरक्षित है। उसके पास हुनर है, ग्राहक हैं और मेहनत करने का जज्बा है, मगर कई बार कारोबार के लिए ऐसी जगह नहीं होती जिसे वह कानूनी तौर पर अपना कामकाजी ठिकाना कह सके। नतीजा यह कि रोजी कमाने की कोशिश में निकला व्यक्ति कभी अतिक्रमणकारी तो कभी अव्यवस्था का कारण मान लिया जाता है। यहीं हमारी शहरी और आर्थिक नीति की सोच को बदलने की जरूरत है। नगर निकाय यदि छोटे व्यापारियों के लिए व्यवस्थित बाजार और कारोबारी क्षेत्र विकसित करें तो समस्या का बड़ा हिस्सा हल हो सकता है। मामूली शुल्क पर स्थान, बिजली-पानी, स्वच्छता और कचरा प्रबंधन जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं। इससे व्यापारियों को स्थिरता मिलेगी, शहर अधिक व्यवस्थित होंगे और स्थानीय निकायों को नियमित राजस्व भी प्राप्त होगा। यह केवल सुविधा का सवाल नहीं, रोजगार का भी प्रश्न है। बड़ी पूंजी वाले उद्योग जरूरी हैं, लेकिन हर व्यक्ति वहां नौकरी नहीं पा सकता। छोटा कारोबार कम पूंजी में रोजगार पैदा करने का रास्ता खोलता है। एक मैकेनिक के साथ सहायक काम सीखता है, एक भोजनालय कई लोगों की रोजी चलाता है और एक कारीगर अपने हुनर के साथ दूसरे हाथों को भी काम देता है। इसलिए छोटे कारोबार का आर्थिक प्रभाव उसके आकार से कहीं बड़ा होता है। आने वाले वर्षों में कृत्रिम बुद्धिमत्ता और स्वचालन सेवा क्षेत्र के अनेक रोजगारों की प्रकृति बदल सकते हैं। ऐसे समय में अनौपचारिक और छोटे कारोबारों को पिछड़े क्षेत्र की तरह देखना गंभीर भूल होगी। उन्हें बैंकिंग, छोटे ऋण, बीमा, डिजिटल भुगतान, कौशल प्रशिक्षण और बाजार से जोड़ना होगा। लक्ष्य केवल कारोबार बचाना नहीं, उसकी उत्पादकता बढ़ाना होना चाहिए। वित्तीय व्यवस्था को भी छोटे बचतकताओं का भरोसा जीतना होगा। निम्न और मध्यम आय वर्ग के लिए नकदी आज भी जीवन की व्यावहारिक जरूरत है।

श्रीकृष्ण का जीवन-सन्देश

एक युग को समाप्त कर नए युग का प्रवर्तन करने वाली महान चेतना श्रीकृष्ण

दिनेश मालवीय
लेखक एवं साहित्यकार

श्रीकृष्ण एक ऐसी महान चेतना थे, जिन्होंने एक युग को समाप्त कर नए युग का प्रवर्तन किया। उनका चरित्र जितना गूढ़ और रहस्यमय है, उनका जीवन और आचरण उतना ही सरल। वह एक ऐसे अनूठे महापुरुष हैं, जो अनेक विरोधाभासों को एक साथ जीते हैं। वह नृत्य कर सकते हैं और बाँसुरी बजा सकते हैं, तो बड़े खूंखार आदमखोर राक्षसों से दो-दो हाथ कर उन्हें यमलोक भी भेज सकते हैं। वह कंस जैसे अत्याचारी राजा का सार्वजनिक रूप से वध कर सकते हैं, तो गोपियों के साथ रास भी कर सकते हैं। वह इतने नटखट हैं कि उनके नटखटपन से यदि ब्रजवासियों को कुछ नुकसान भी हो जाए, तो वह उसे न केवल हंसकर सहन कर लेते हैं, बल्कि उससे आनंदित होते हैं। वह सर्वसाधारण लोगों की रक्षा के लिए कुछ भी कर सकते हैं। श्रीकृष्ण गोवर्धन पर्वत को उठा सकते हैं, तो कालिया नाग मानमर्दन भी सकते हैं।

वह प्रेम से परिपूर्ण हैं और सबसे प्रेम करते हैं, वहीं सत्य और धर्म की रक्षा के लिए महाविनाशकारी महाभारत के महानायक भी बन सकते हैं। उनके चेहरे पर हमेशा एक मधुर मुस्कान खिली रहती है, तो दुष्टों का विनाश करने के लिए उनका रौद्र रूप भी सामने आता है।

श्रीकृष्ण को यदि प्रेम का पर्याय कहा जाए तो इसमें कोई अतिशयोक्ति नहीं होगी। उनका प्रेम सिर्फ अपने परिवार और ग्रामवासियों तक सीमित नहीं है। वह प्राणिमात्र से सच्चा प्रेम करते हैं। सबको अपना आत्मस्वरूप मानते हैं। उन्होंने बचपन से लेकर जीवन भर अनेक राक्षसों और दुष्टों का वध किया, लेकिन उन्हें मारने का बाद तार भी दिया। उन्हें अपने परम लोक में भेज दिया। उनके प्रेमपूर्ण व्यवहार के कारण ही सारे गोकुलवासी उन्हें अपने परिवार का अभिन्न अंग मानते हैं। वृद्धजन उन्हें अपने पुत्र के समान मानते हैं, तो युवक-युवतियां उन्हें अपना सखा। उनमें गोकुल के प्रधान नन्द रायजी का पुत्र होने का ज़रा भी घमंड नहीं है, इसीलिए उनके सभी सखा उनके साथ बराबरी का व्यवहार करते हैं। खेलकूद या अन्य कार्यों में वह किसी सखा के साथ किसी भी आधार पर भेदभाव नहीं करते। इसीलिए सब उन्हें अपना नायक मानते हैं। पशु-पक्षियों तक के लिए उनके मन में असीम प्रेम है।उनकी बाँसुरी की तान सुनकर गायें तक उनके पास दौड़ी चली आती हैं।

श्रीकृष्ण बहुत निर्भीक और उदार भी हैं। कंस से पंगा लेते समय और उसका वध करते समय उन्हें इस बात का भय नहीं रहा कि वह महाबलशाली मगधराज जरासंध का दामाद है और उससे शत्रुता बहुत महंगी साबित हो सकती है। कंस को मारने के बाद उन्होंने कंस के किसी कर्मचारी या अधिकारी को ज़रा भी परेशान नहीं किया। सबको क्षमा कर उपयुक्त दायित्व सौंपे। वह जानते थे कि कर्मचारी शासक की आज्ञा के अधीन होते हैं। उन्होंने जो किया उसके लिए राजाज्ञा जी।

श्रीकृष्ण ने श्रीमदभगवतगीता में प्रसन्नता को भक्तों का सबसे बड़ा गुण बताया है। वह स्वयं इसका उदाहरण हैं। कैसी भी कठिन परिस्थिति हो, श्रीकृष्ण के होंठों पर मंद हास हमेशा बना रहता है। वह कभी न स्वयं तनाव में आते और न दूसरों को तनाव में आने देते। उन्होंने यह संदेश दिया है कि हर हाल में मुस्कुराते रहो। यह तभी संभव है, जब हम यह मानकर चलें कि संसार के रंगमंच पर हम सिर्फ अपनी निर्धारित भूमिका निभा रहे हैं। अपनी भूमिका ठीक से निभाते हुए भी यह नहीं भूला जाए, कि हम अभिनय कर रहे हैं। इसीलिए उनके जीवन और कर्मों को लीला कहा जाता है। उनके लिए बड़े से बड़ा काम भी लीला से अधिक कुछ नहीं है।

श्रीकृष्ण सच्ची मित्रता का आदर्श उदाहरण हैं। गोकुल में उनके सोलह परम सखा थे, जिन्हें उन्होंने कभी कोई कष्ट नहीं होने दिया। उनके लिए अनेक बार अपने जीवन को संकट में डाला और बहुत बलशाली दानवों से भिड़कर उनकी रक्षा की। निर्धन ब्राह्मण सुदामा से उनकी मित्रता भारत ही नहीं विश्व के इतिहास में सबसे आदर्श उदाहरण है। उज्जैन में गुरु सांदीपनि आश्रम में उनकी सुदामा से मित्रता हुई। सुदामा के आचरण के दोषों की अनदेखी करते हुए उन्होंने हमेशा बड़प्पन का परिचय दिया।

जब श्रीकृष्ण द्वारका के राजा बने और सुदामा उनके पास आये, तो उन्होंने अपने राज सिंहासन पर बैठा कर उनके चरण धोये। उन्हें गले लगाया। सुदामा द्वारा लाये गए चावल के दानों को बहुत प्रेम से खाया। उन्होंने सुदामा के परिवार की कायापलट कर दी।

महान धनुर्धर अर्जुन से उनकी घनिष्ट मित्रता थी, जिसे उन्होंने जीवन भर निभाया। अपनी बहन सुभद्रा से उनका विवाह करवाया। मोह के कारण युद्ध से विरत होने को तैयार अर्जुन को उन्होंने कर्म आ रहस्य समझाकर युद्ध लड़ने के लिए तैयार किया। महाभारत संग्राम में उनके ही कारण अर्जुन के प्राणों की रक्षा हो सकी और पाण्डव युद्ध जीत पाए। उनकी सहायता के बिना यह संभव नहीं था। उद्धव भी उनके परम मित्र थे और उसे उन्होंने बहुत मान-सम्मान दिया। प्रेम का सही अर्थ समझने के लिये उन्होंने उद्धव को गोपियों के पास भेजा।

श्रीकृष्ण के मन में नारी जाति के प्रति बहुत गहरी श्रद्धा और सम्मान का भाव था। उनकी रक्षा के लिए वह हमेशा तत्पर रहते थे। गोपियाँ हों या माता देवकी या माता यशोदा, वह सदा उनके गुणों की प्रशंसा करते हैं। कौरवों की राजसभा में वह द्रौपदी की लाज बचाते हैं। वह जरासंध द्वारा बंदी स्त्रियों को मुक्त कराकर उन्हें सम्मानजनक जीवन जीने का अवसर देते हैं। कौरवों की माता गांधारी जब उन्हें अपने पुत्रों के वध का उत्तरदायी मानकर उन्हें श्राप देती है, तो वे उसे विनम्रता के साथ सर झुकाकर स्वीकार कर लेते हैं। श्रीकृष्ण का जीवन बचपन से ही बहुत संघर्षपूर्ण रहा। उनको जीवन के हर मोड़ पर घोर संघर्ष करने पड़े। लेकिन उन्होंने कभी संघर्षों से मुंह नहीं मोड़ा। उन्होंने संसार को निष्काम कर्म का संदेश दिया। इसका अर्थ है कि मनुष्य अपने द्वारा किये जाने वाले कर्मों का करने वाला नहीं, बल्कि माध्यम मानकर कर्तव्य भाव से कर्म करते हुए जीवन यापन करें।

-यह लेखक के अपने विचार हैं।

निर्भया कांड के चौदह साल बाद भी हमारे देश में महफूज नहीं हैं बेटियां

मनोज कुमार अग्रवाल
स्तंभकार

निर्भया रेप केस के करीब चौदह साल बाद भी दिल्ली में चलती बस में बलात्कार की हालिया घटना सामने आई है, जिसमें एक 16 वर्षीय नाबालिग लड़की के साथ नोएडा से दिल्ली के बीच एक चलती निजी स्लीपर बस में सामूहिक बलात्कार किया गया है । यह शर्मनाक वारदात बता रही है कि निर्भया कांड के बाद कानून व्यवस्था महिला सुरक्षा के लिए किए गए बड़े-बड़े दावे सख्त कानून और सुरक्षा के बढते बंदोबस्त सब हवा हवाई दावे मात्र है कानून व्यवस्था महिला सुरक्षा के लिहाज से आज भी हाशिये पर खाड़ी है।

दिल्ली में चलती बसों में होने वाले अपराधों का एक लंबा इतिहास रहा है, जिसमें 2012 का निर्भया रेप मर्डर केस सबसे चर्चित वीभत्स मामला रहा। लेकिन निर्भया कांड के 14 साल बीत जाने के बाद भी इस तरह की वारदात की पुनरावृत्ति बता रही है कि अपराधी कल भी बेखौफ थे और आज भी बेखौफ है उन्हें कानून पुलिस अदालत किसी का तनिक भी भय नही है। मौजूदा वारदात में उत्तर प्रदेश के मैनपुरी की रहने वाली 11वीं कक्षा की एक 16 वर्षीय छात्रा रात के समय भारी बारिश के कारण ग्रेटर नोएडा के परी चौक पर फंस गई थी। उसने एक निजी स्लीपर बस को हाथ देकर रोका, जिसने उसे नोएडा सेक्टर 63 छोड़ने की बात कही।बस में चढ़ने के बाद बस के ड्राइवर और कंडक्टर ने किशोरी के साथ चलती बस में बलात्कार किया। यह बस करीब 47 किलोमीटर तक दिल्ली-एनसीआर की सड़कों पर दौड़ती रही और वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपियों ने पीड़िता को दिल्ली के कश्मीरी गेट के पास रिंग रोड पर उतार दिया। बस के शीशों पर गहरे पर्दे लगे हुए थे, जो दिल्ली-एनसीआर में नियमों के खिलाफ हैं और इसी वजह से बाहर से किसी को अंदर की घटना दिखाई नहीं दी।कश्मीरी गेट पुलिस स्टेशन में पीड़िता द्वारा शिकायत दर्ज कराने के बाद, दिल्ली पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज की मदद से दोनों आरोपियों कुलदीप और संदीप को गिरफ्तार कर लिया और बस को फॉरेंसिक जांच के लिए जब्त कर लिया गया है।

यहां आपको यह भी याद दिला देना जरूरी है कि अभी मई 2026 में भी दिल्ली के सरस्वती विहार इलाके में एक निजी स्लीपर बस के भीतर एक महिला के साथ बलात्कार की घटना हुई थी। पीड़िता एक फैक्ट्री में काम करके घर लौट रही थी। बस स्टैंड के पास खड़े बस के ड्राइवर और कंडक्टर ने महिला को जबरन बस के अंदर खींच लिया और वारदात को अंजाम दिया। दिल्ली पुलिस ने इस मामले में भी दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर बस को तिमारपुर पार्किंग क्षेत्र से बरामद किया था।

सवाल फिर वही ज्यो का त्यों है कि देश की राजधानी ही लड़कियों के लिए महफूज क्यों नहीं है? वह भी तब जबकि निर्भया के रेपिस्ट हत्यारे को फांसी की सजा सुनाई गई थी। आपको बता दें दिल्ली में चलती बस में बलात्कार की घटनाओं का जिक्र होने पर 16 दिसंबर 2012 की घटना सबसे भयावह मानी जाती है। दक्षिण दिल्ली के मुनिरका इलाके में एक 23 वर्षीय फिजियोथेरेपी छात्रा जिसका नाम बाद में निर्भया रखा गया अपने दोस्त के साथ एक निजी बस में चढ़ी थी। बस के चालक सहित 6 लोगों ने चलती बस में उसके साथ बेहद बर्बर तरीके से सामूहिक बलात्कार और जानलेवा हमला किया।पीड़िता की बाद में सिंगापुर के अस्पताल में इलाज के दौरान मृत्यु हो गई थी। इस घटना के बाद पूरे देश में व्यापक विरोध प्रदर्शन हुए और कानून में कड़े बदलाव किए गए। मार्च 2020 में इस मामले के चार मुख्य दोषियों को तिहाड़ जेल में फांसी दी गई थी।यानि सख्त कानून और सजा भी अपराधियों को ऐसे घृणित अपराध से रोकने के लिए प्रभावी नहीं साबित हुआ है। बेटी बचाओ अभियान के बावजूद बेटियों के विरुद्ध यौन अपराध चिंताजनक हद तक बढ़ गए हैं। हर आयु वर्ग की महिलाएं और बच्चियां इस अन्याय की शिकार बन रही हैं चंद वारदातों पर नजर डालिए। 24 अगस्त को मुम्बई में खेल कोच एवं द्रोणाचार्य पुरस्कार विजेता गणेश प्रभाकर देवरुखकर के विरुद्ध एक 16 वर्षीय छात्रा ने जिम्नास्टिक की ट्रेनिंग देने के दौरान उसके शारीरिक शोषण के आरोप में शिकायत दर्ज करवाई। छात्रा का आरोप है कि घटना के दिन कोच ने उसे खींच कर अपनी गोद में बिठा लिया। उसने उसकी पकड़ से छूटने की कोशिश की तो कोच ने पीछे से उसकी कमर पकड़ कर उससे छेड़छाड़ की। 24 अगस्त को पटियाला (पंजाब) में इंस्टाग्राम पर दोस्ती के बाद एक छात्रा को धोखे से होटल में बुलाकर उससे बलात्कार करने के आरोप में पुलिस ने एक युवक के विरुद्ध केस दर्ज किया।24 अगस्त को ही पचमढ़ी (मध्य प्रदेश) में घूमने आई एक नाबालिगा के साथी को जीप से बांध कर उससे सामूहिक बलात्कार करने के आरोप में पुलिस ने तीन युवकों को गिरफ्तार किया।27 अगस्त को होशियारपुर (पंजाब) के गांव अरनियावाला शाहपुर के सरकारी मिडल स्कूल के हैडमास्टर अनुज वासुदेव को एक 12 वर्षीय छात्रा के यौन उत्पीड़न और तंग करने के आरोप में पुलिस ने गिरफ्तार किया। छात्रा के अनुसार उक्त अध्यापक उसके साथ अनुचित छेड़छाड़ करता और उसके शरीर को छूता था तथा किसी को बताने पर स्कूल से नाम काटने की धमकी देता था।

घटना के दिन आरोपी हैडमास्टर उसे जबरन अपनी गाड़ी में बिठाकर ले गया। रास्ते में गाड़ी रोक कर उसके मुंह में जबरन नशीली गोली डाल कर उससे बलात्कार करके उसे उसके घर के पीछे उतार कर चला गया।

प्रतिदिन हो रहीं महिलाओं और बच्चियों के बलात्कार, यौन उत्पीड़न और छेड़छाड़ आदि की घटनाओं ने देश में नारी जाति की सुरक्षा पर गंभीर प्रश्न खड़े कर दिए हैं, अतः इस तरह के सभी मामलों का संज्ञान लेते हुए संबंधित अधिकारियों को जल्द से जल्द इनका फैसला करके दोषियों को कठोरतम दंड देने की जरूरत है, तभी इस बुराई पर रोक लग सकेगी। दिल्ली-एनसीआर में सार्वजनिक और निजी परिवहन की सुरक्षा पर लगातार सवाल उठते रहे हैं। पर्दों और काली फिल्मों पर प्रतिबंध दिल्ली में चलती कमर्शियल बसों में खिड़कियों पर पर्दे या काली फिल्म लगाना पूरी तरह अवैध है, फिर भी स्लीपर बसों में इनका धड़ल्ले से इस्तेमाल होता है। रात के समय अंतर-राज्यीय और निजी स्लीपर बसों की पर्याप्त चेकिंग न होना इन अपराधियों को बढ़ावा देता है।

-यह लेखक के अपने विचार हैं।

सुविचार

इंसान का बुरा वक्त ही उसके साहस और धैर्य का पैमान है, अच्छे वक्त में हर कोई साहसी होता है ।

-अज्ञात

निशाना

गलत को तो सही समझा न जाए

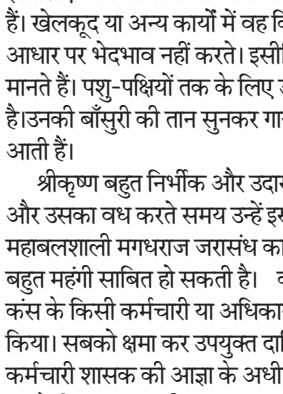

प्रदीप कश्यप

गलत को तो सही समझा न जाए।
सही को फिर गलत बोला न जाए।
अगर माने नहीं जो हार दुश्मन।
लड़ाई छोड़ कर जाया न जाए।
खुशी हर ओर जो फैला रहा है।
चमन से फूल वो तोड़ा न जाए।
नहीं उत्तर सही जिसका निकलता।
किसी से प्रश्न वो पूछा न जाए।
छिपा कर प्यार जो दिल में रखा है।
उसे बाहर कहीं ढूँढ़ा न जाए।
निभाया साथ जिसने घोर दुख में।
उसे सुख में कभी छोड़ा न जाए।
सही जो राह पर कश्यप चला है।
कोई गुमराह कर भटका न जाए।

कंज्यूमर सेफ्टी

लोग खाए जा रहे हैं बैन हो चुका चीनी लहसुन, एक्सपर्ट मानते हैं बीमारियों की जड़

लहसुन एक स्वास्थ्यवर्धक मसाला है। इसे कई सारे फायदे देने के लिए जाना जाता है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि भारत में चाइनीज लहसुन भी बिक रहा है, जिसे सरकार 2014 में ही बैन कर चुकी है। यह फायदे देने की जगह आपको बीमार कर सकता है। इसमें कई सारे नुकसानदायक तत्व होते हैं, जो आपके मेटाबॉलिज्म और बॉडी फंक्शन को खराब कर सकते हैं। आइए जानते हैं कि चीनी लहसुन

को भारत में बैन क्यों किया गया था और इसकी पहचान कैसे की जा सकती है। क्योंकि जागरुकता की कमी के कारण आज भी लोग इसे खरीद रहे हैं।

इंडिपेंडेंट रिपोर्टर शरद शर्मा अपनी वीडियो में बताते हैं कि भारत में चाइनीज लहसुन 2014 से प्रतिबंधित है। इसके पीछे 3 कारण हैं। पहला इसमें फंगल इंफेक्शन आ रहा था। दूसरा इसकी खेती में बहुत सारे केमिकल्स, फर्टिलाइजर, पेस्टीसाइड्स का इस्तेमाल हो रहा था। तीसरा इसको चमकाने में क्लोराइड का लीचिंग के लिए इस्तेमाल हो रहा था। भारत ही नहीं, अमेरिका समेत कई सारे देशों में चाइनीज गार्लिक बैन है। यूनाइटेड स्टेट्स एन्वायरमेंटल प्रोटेक्सन एजेंसी की रिपोर्ट के मुताबिक वैज्ञानिकों-शोधकर्ताओं का कहना है कि खाने की जिन चीजों में केमिकल्स, फर्टिलाइजर, पेस्टीसाइड्स का अत्यधिक इस्तेमाल होता है, वो नर्वस सिस्टम डैमेज, हॉर्मोनल बाधा और कैंसर के अत्यधिक खतरे से जुड़ी देखी गई हैं।

बैन के बाद भी मिल रहा: इंडिपेंडेंट रिपोर्टर ने लहसुन कारोबारी जितेंद्र के हवाले से बताया कि बैन होने के बावजूद आज भी देश के किसी भी हिस्से में आप चले जाइए, चाइनीज लहसुन आपको मिल जाएगा। जितेंद्र ने चाइनीज लहसुन को पहचानने के तरीके बताए। जितेंद्र के मुताबिक, सॉइल टेस्ट से ऑफिसर व सरकारें चीनी लहसुन की पहचान करती हैं। यह सॉइल टेस्ट से आराम से पहचाना जाता है। हर राज्य की मिट्टी अलग होती है, वैसे हर देश की मिट्टी अलग होती है। आम पब्लिक स्वाद और गंध से इसकी पहचान कर सकती हैं। चीनी लहसुन की गंध बहुत हल्की या ना के बराबर होती है। इसका स्वाद भी बहुत कम तीखा व कसैला होता है। दूसरी तरफ भारत का देसी लहसुन स्वाद में काफी तीखा और कसैला होता है। इसकी गंध से आप साफ इसका फर्क जान सकते हैं।

टेक्नो अपडेट

सैटेलाइट इंटरनेट की तैयारी तेज, स्टरलिंक और जियो के लिए नियमों की तैयारी

भारत में सैटेलाइट कनेक्टिविटी सर्विस देने के लिए सरकार और कंपनियां तेजी से काम कर रही हैं। हाल ही में आई रिपोर्ट के अनुसार, सरकारी अधिकारियों की एक टीम जल्द ही यह तय करने वाली है कि स्टारलिंक, यूटेलसैट वनवेब और जियो जैसी कंपनियों को सैटेलाइट इंटरनेट सेवा शुरू करने के लिए कितनी फीस देना होगा। साथ ही, पैनल यह भी घोषणा करने की तैयारी में कि कंपनियों को यह सेवा देने की अनुमति कितने समय के लिए मिलेगी। इस तरह की और भी शर्तों के लिए टीम जल्द फैसला सुनाने की तैयारी में है ताकि भारत में जल्द से जल्द सैटेलाइट इंटरनेट की एंट्री कराई जा सके।

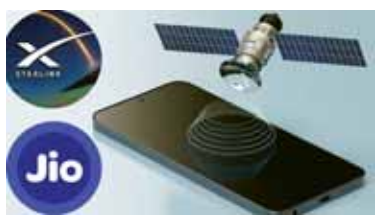

एक रिपोर्ट के अनुसार, उम्मीद है कि जल्द ही डिजिटल कम्युनिकेशंस कमीशन की बैठक होगी। इस बैठक में कुछ ग्रामीण और दूरदराज के इलाकों में सेवा देने के लिए इंसेंटिव के साथ एडजस्टेड ग्रॉस रेवेन्यू का 5 फ़ीसदी स्पेक्ट्रम चार्ज तय किया जा सकता है। इसका मतलब है कि अगर कंपनियां गांव या दूर-दराज के इलाकों में इंटरनेट सेवाएं देंगी, तो उन्हें छूट मिलेगी। इसके लिए सरकार उनकी कुल कमाई का केवल 5% हिस्सा ही स्पेक्ट्रम फीस के तौर पर ले सकती है।

सरकार द्वारा तय किए गए खास इलाकों में सैटेलाइट से इंटरनेट देने वाली कंपनियों को स्पेक्ट्रम फीस में 1% की छूट मिलेगी। बता दें कि DCC की बैठक टेलीकॉम रेगुलेटरी अथॉरिटी ऑफ इंडिया द्वारा दिसंबर में सैटकॉम स्पेक्ट्रम पर कुछ सवालों के जवाब देने के लगभग आठ महीने बाद हो रही है। डिजिटल कम्युनिकेशंस कमीशन वो सबसे बड़ी टीम या कमेटी है, जो देश में फोन और इंटरनेट से जुड़े बड़े फैसले लेती है। सरकार का मानना है कि ग्रामीण और शहरी इलाकों के बीच अंतर करने की समस्या के कारण TRAI के प्रस्ताव को लागू करना मुश्किल होगा। इतना ही नहीं, DoT ने ग्रामीण और दूरदराज के इलाकों में कुछ खास सब्सक्राइबर्स को फिक्स्ड सैटेलाइट टर्मिनल पाने के लिए सब्सिडी देने के TRAI के प्रस्ताव को भी खारिज कर दिया है। रेगुलेटर ने डिजिटल भारत निधि फंड से सब्सिडी देने का प्रस्ताव दिया था। हालांकि, DoT ने कंपनियों को पांच साल की अवधि के लिए सैटकॉम स्पेक्ट्रम देने और दो साल के विस्तार का ऑप्शन देने के प्रस्ताव को स्वीकार कर लिया। अभी केवल ह्यूजेस और नेल्को जैसे जियोस्टेशनरी ऑर्बिट (GSO) आधारित फिक्स्ड सैटेलाइट नेटवर्क को भारत में सेवाएं देने की अनुमति है और वे AGR का 3-4% स्पेक्ट्रम चार्ज देते हैं।

नॉलेज

यह है दुनिया की सबसे बड़ी झील, पांच देशों की सीमाओं को छूता है इसका पानी!

धरती पर नदियों और समुद्रों के अलावा लाखों झीलें भी मौजूद हैं। कुछ झीलें इतनी छोटी हैं कि उन्हें आसानी से नजरअंदाज किया जा सकता है, तो कुछ का आकार इतना बड़ा है कि उन्हें देखकर समुद्र होने का भ्रम होता है। दुनिया की सबसे बड़ी झील का नाम कैस्पियन सागर है। नाम में भले ही 'सागर' जुड़ा हो, लेकिन इसे दुनिया की सबसे बड़ी झील माना जाता है। इसकी विशालता, खारा पानी और इसके आसपास बसे देशों की वजह से यह झील बाकी झीलों से बिल्कुल अलग है। यह 3 लाख वर्ग किलोमीटर से ज्यादा क्षेत्र में फैली हुई है। इसका आकार इतना बड़ा है कि कई देशों के क्षेत्रफल से इसकी तुलना की जा सकती है। यह यूरोप और एशिया के बीच स्थित है और इसका फैलाव देखकर पहली नजर में इसे समुद्र समझना बिल्कुल स्वाभाविक है। इसकी सीमा पांच देशों से लगती है। इनमें रूस, कजाकिस्तान, तुर्कमेनिस्तान, ईरान और अजरबैजान शामिल हैं।

यह एक बंद जल निकाय है, यानी इसका पानी सीधे किसी महासागर में नहीं जाता। इसमें सबसे ज्यादा पानी वोल्गा नदी से आता है। माना इतनी बड़ी नदी से पानी आने के बावजूद कैस्पियन सागर का पानी खारा है। यह सिर्फ क्षेत्रफल के मामले में ही विशाल नहीं है, बल्कि इसकी गहराई भी काफी ज्यादा है। कैस्पियन सागर में कई ऐसी जीव-जंतुओं की प्रजातियां पाई जाती हैं, जो दुनिया के दूसरे हिस्सों में नहीं मिलतीं। इनमें सबसे खास कैस्पियन सील है। कैस्पियन सील को दुनिया की एकमात्र सील प्रजाति माना जाता है जो पूरी तरह एक अंदरूनी जल क्षेत्र में रहती है। यह प्रजाति कैस्पियन सागर के पर्यावरण के लिए बेहद खास है।

कैस्पियन सागर सिर्फ प्राकृतिक सुंदरता और जीव-जंतुओं के कारण ही खास नहीं है. इसके नीचे तेल और प्राकृतिक गैस के बड़े भंडार भी मौजूद हैं। इसी वजह से कैस्पियन सागर आर्थिक और रणनीतिक रूप से भी काफी महत्वपूर्ण है। इसके आसपास मौजूद देश लंबे समय से यहां मौजूद प्राकृतिक संसाधनों का इस्तेमाल करते रहे हैं। तेल और गैस के अलावा समुद्र की सीमाओं और संसाधनों को लेकर भी इन देशों के बीच बातचीत होती रही है। आखिरकार, इतनी बड़ी जलराशि और उसके नीचे मौजूद संसाधनों पर अधिकार कई देशों के लिए बेहद अहम हैं।

जेल में पहुंच रहा देसी कट्टा और गुटखा-मोबाइल ! गर्लफ्रेंड के लिए ली थी जान, फिर किया क्राइम

रायसेन। दोपहर मेट्रो

जिला जेल के भीतर हत्या के आरोपी तक देसी कट्टा, कारतूस और मोबाइल कैसे पहुंचा? जेल प्रहरी पर गोली चलाकर फरार होने का प्रयास करने वाले आरोपी निलेश ठाकुर से पूछताछ के बाद ही इस सबसे बड़े सवाल का जवाब सामने आने की उम्मीद है। पुलिस ने आरोपी को प्रोडक्शन वारंट पर हिरासत में लेने के लिए न्यायालय में आवेदन किया है। आवेदन पर 7 सितंबर को वारंट मिलने की संभावना है। इसके बाद कोतवाली पुलिस आरोपी को पुलिस अभिरक्षा में लेकर हथियार के स्रोत और जेल के भीतर उसकी पहुंच के संबंध में पूछताछ करेगी।

निलेश ठाकुर ने जेल से फरार होने की कोशिश के दौरान प्रहरी दिग्विजय सिंह तोमर पर देसी कट्टे से फायर किया था। गोली प्रहरी की कमर के ऊपरी हिस्से में लगी थी। गंभीर रूप से घायल प्रहरी को उपचार के लिए एम्स भोपाल में भर्ती कराया गया है। घटना के बाद आरोपी को पकड़ लिया गया और उसके कब्जे से देसी कट्टा, चार कारतूस, एक मोबाइल फोन तथा गुटखा बरामद होने की

जानकारी सामने आई है। घटना ने जेल की सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए है। सबसे बड़ा सवाल यह है कि कड़ी सुरक्षा के बीच हत्या के आरोपी तक हथियार, कारतूस और मोबाइल पहुंचा कैसे। पुलिस जांच अब केवल गोली चलाने की घटना तक सीमित नहीं रहेगी, बल्कि यह भी पता लगाया जाएगा कि आरोपी को हथियार किसने उपलब्ध कराया, वह जेल के अंदर किस माध्यम से पहुंचा और इसमें किसी बाहरी अथवा आंतरिक व्यक्ति की भूमिका तो नहीं रही।

जेल प्रशासन पर भी कार्रवाई

प्रारंभिक जानकारी के अनुसार आरोपी के पास मिले देसी कट्टे में एक ही गोली थी और उसी से उसने प्रहरी पर फायर किया। घटना के समय उसके पास मिले अन्य सामानों को लेकर भी जांच की जाएगी। पुलिस को संदेह है कि जेल के भीतर प्रतिबंधित सामान पहुंचने के पीछे किसी स्तर पर सुरक्षा में चूक अथवा सहयोग की संभावना हो सकती है। घटना के बाद जेल प्रशासन पर भी कार्रवाई शुरू हो गई है। जेलर आरके चौरे को बुधवार को ही निलंबित कर दिया गया था। अब जांच की दिशा जेल की सुरक्षा व्यवस्था, प्रवेश और तलाशी प्रक्रिया तथा आरोपी की गतिविधियों की ओर भी बढ़ गई है।

पहले प्रेमिका के विवाद में की थी हत्या

निलेश ठाकुर पहले से ही हत्या के मामले में जिला जेल में बंद था। पुलिस के अनुसार 23 अक्टूबर 2025 को उसने रायसेन के वार्ड-11 पटेल नगर निवासी नेपाल सिंह धाकड़ को गोली मार दी थी। बताया गया कि एक युवती को लेकर दोनों के बीच विवाद था। पुलिस के अनुसार निलेश ने नेपाल सिंह को पहले चेतावनी दी थी और बाद में उसको मार दिया। कोतवाली पुलिस ने हत्या सहित अन्य धाराओं में मामला दर्ज कर निलेश को गिरफ्तार किया था।

अनुमति के बाद होगी पूछताछ

एसपी आशुतोष गुप्ता ने बताया कि निलेश ठाकुर पहले से हत्या के मामले में जेल में बंद था और अब उसके खिलाफ जेल प्रहरी पर गोली चलाने का प्रकरण भी दर्ज किया गया है। न्यायालय की अनुमति लेकर आरोपी को पुलिस अभिरक्षा में लिया जाएगा। एसडीओपी प्रतिभा शर्मा के अनुसार अनुमति मिलने के बाद कोतवाली पुलिस आरोपी को रिमांड पर लेकर हथियार के स्रोत और घटना से जुड़े अन्य बिंदुओं पर पूछताछ करेगी। अब जांच का सबसे अहम सवाल यही है कि जेल की सलाखों के पीछे बंद एक हत्या आरोपी के हाथ तक कट्टा आखिर पहुंचा कैसे ? प्रोडक्शन वारंट पर होने वाली पूछताछ से इस सनसनीखेज वारदात के पीछे के संभावित सहयोगियों और जेल सुरक्षा में हुई चूक का राज खुलने की उम्मीद है। एसडीएम मनीष शर्मा ने बताया कि घटना की मजिस्ट्रियल जांच के आदेश दिए गए हैं। जांच के बाद ही पूरे मामले का खुलासा होगा। उल्लेखनीय है पुलिस और प्रशासन इस पूरे मामले में जिला जेल में सुरक्षा इंतजामों में खामियों और सुरक्षा में सेंध को लेकर आश्वस्त है, लेकिन जांच के पहले कोई कुछ खुलकर बताने की स्थिति में नहीं है।

न्यूज विंडो

बच्चों को कलेक्टर ने शिक्षक बनकर पढ़ाया पाठ, कमियां जल्द दूर करने के निर्देश

नर्मदापुरम। मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान के तहत कलेक्टर सोमेश मिश्रा ने सांदीपनि विद्यालय पिपरिया का निरीक्षण किया। उन्होंने स्कूल भवन के विभिन्न हिस्सों का जायजा लेकर निर्माण कार्यों और सुविधाओं की स्थिति देखी। कलेक्टर ने भवन में शेष सुधारात्मक कार्यों को प्राथमिकता से पूरा कराने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर कक्षाओं में पहुंचे और विद्यार्थियों से बातचीत की। उन्होंने बच्चों से पढ़ाई, स्कूल में उपलब्ध सुविधाओं और उनकी शैक्षणिक प्रगति के बारे में जानकारी ली। इस दौरान वे बच्चों के बीच शिक्षक की भूमिका में नजर आए और पाठ्यपुस्तक से विद्यार्थियों को पाठ पढ़ाया। उन्होंने बच्चों को नियमित अध्ययन के लिए प्रेरित किया। कलेक्टर ने प्राचार्य को निर्देश दिए कि सभी आवश्यक सुधारात्मक कार्य पूरे होने के बाद ही स्कूल भवन का हैंडओवर लिया जाए। भवन में जहां भी कमियां हैं, उन्हें प्राथमिकता से दूर किया जाए। स्कूल परिसर में पानी की निकासी के लिए जरूरत के अनुसार ढलान व्यवस्थित करने तथा बाउंड्रीवाल की मजबूती की जांच पीडब्ल्यूडी से कराने के निर्देश भी दिए। उन्होंने कहा कि जांच और सुधार कार्यों के आधार पर कार्ययोजना तैयार कर उसका प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाए। निरीक्षण के दौरान पुलिस अधीक्षक साई कृष्ण एस. थोटा, एसडीएम पिपरिया आकिप खान सहित संबंधित अधिकारी और विद्यालय का स्टाफ मौजूद रहा।

लोक अदालत को लेकर अधिवक्ताओं की बैठक में मीडिएशन पर जोर

नर्मदापुरम। आगामी नेशनल लोक अदालत के सफल आयोजन को लेकर जिला अधिवक्ता संघ के सभागार में बैठक एवं मीडिएशन जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। मध्यप्रदेश राय विधिक सेवा प्राधिकरण, जबलपुर के निर्देशानुसार आयोजित बैठक की अध्यक्षता प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश श्रीमती तृप्ति शर्मा ने की। बैठक में प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश ने अधिवक्ताओं से न्यायालयों में लंबित प्रकरणों के साथ ही प्री-लिटिगेशन मामलों का अधिक से अधिक चिन्हांकन करने की अपील की। उन्होंने कहा कि पक्षकारों को आपसी सहमति और मध्यस्थता (मीडिएशन) के माध्यम से विवादों के निराकरण के लिए प्रेरित किया जाए, ताकि नेशनल लोक अदालत में अधिक से अधिक मामलों का आपसी समझौते से निराकरण हो सके। कार्यक्रम में विशेष न्यायाधीश मनोज कुमार, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव एवं न्यायाधीश के. शिवानी, समस्त न्यायाधीशगण, जिला अधिवक्ता संघ अध्यक्ष सुरेंद्र सिंह राजपूत, उपाध्यक्ष नीरज पटेल, सचिव अनुपम दुबे सहित कार्यकारिणी सदस्य और बड़ी संख्या में अधिवक्ता मौजूद रहे। बैठक में लोक अदालत की प्रक्रिया और मीडिएशन के माध्यम से विवादों के समाधान के महत्व पर भी चर्चा की गई।

15 से अधिक बसों की जांच में न तो किराया सूची मिली, न ही अग्निशामक यंत्र

धार में बस संचालकों की मनमानी, किराया तुरंत बढ़ाया लेकिन सुरक्षा भगवान भरोसे

धार। दोपहर मेट्रो

मध्य प्रदेश परिवहन विभाग द्वारा अगस्त 2026 में लागू की गई नई किराया दरों का फायदा उठाकर स्थानीय बस संचालकों ने यात्रियों की जेब पर बोझ तो तुरंत बढ़ा दिया है, लेकिन बसों में यात्री सुरक्षा और सुविधाओं को पूरी तरह से दरकिनार कर दिया गया है। धार बस स्टैंड पर की गई पड़ताल में यात्रियों की सुरक्षा से खिलवाड़ का मामला सामने आया है। बस स्टैंड पर खड़ी 15 से अधिक स्टेज कैरिज और लग्जरी बसों की जांच की गई, जिनमें से किसी भी बस के प्रवेश द्वार पर किराया सूची चस्पा नहीं थी। आपातकालीन स्थिति से निपटने के लिए न तो फायर सेफ्टी सिस्टम कार्यरत मिले और न ही प्राथमिक उपचार किट मौजूद थी। कई बसों में पैनिक बटन और इमरजेंसी एग्जिट के गेट तक जाम पाए गए।

रक्षाबंधन और आगामी त्योहारी सीजन का लाभ उठाते हुए ऑपरेटर मनमर्जी से किराया वसूल रहे हैं। यात्रियों के अनुसार सामान्य दूरी का सफर जिस दूरी के लिए पहले 80 रुपये देने पड़ते थे, अब उसके 120 से 140 रुपये तक वसूले जा रहे हैं। लंबी दूरी या लग्जरी सेवाओं के नाम पर प्रति सीट 250 से 300 रुपये तक की अवैध वसूली हो रही है। परिवहन विभाग के नियमानुसार स्टेज कैरिज और कांटेक्ट कैरिज बसों के सफल संचालन के लिए मापदंड तय

किए गए है, की आधिकारिक दर सूची बस के मुख्य प्रवेश द्वार पर स्पष्ट अक्षरों में प्रदर्शित होना अनिवार्य है। प्रत्येक बस में कम से कम दो कार्यशील अग्निशामक यंत्र और चालू हालत में इमरजेंसी गेट अनिवार्य हैं। महिलाओं और यात्रियों की सुरक्षा के लिए पैनिक बटन और व्हीकल लोकेशन ट्रैकिंग डिवाइस सक्रिय होने चाहिए। जीवनरक्षक दवाओं और प्राथमिक चिकित्सा सामग्री से सुसज्जित फर्स्ट एड बॉक्स बस चालक के पास होना चाहिए। बस में निर्धारित सीटों से अधिक यात्रियों को बैठाना अथवा पायदान पर यात्रा कराना कानूनन अपराध है। विगत दिनों आरटीओं ह्रदेश यादव ने बस संचालकों की बैठक लेकर नियमों का सख्ती से पालन करने के निर्देश दिए थे, बैठक खत्म होते ही बस संचालकों ने नियमों को हवा में उड़ा दिया, संचालकों को हौसलें इस लि?ए भी बुलंद हुए क्योंकि आरटीओं विभाग के जिम्मदारों से ऑफिस का मोह नही छुट रहा है, वें बंद कमरे में निर्देश और आदेश तो देते है, लेकिन जमीन पर कार्रवाई नही करते जिससे बस संचालक अपनी मनमर्जी पर उतारु हो गए।

परिवहन विभाग की कार्रवाई पर उठे सवाल

यात्रियों और स्थानीय निवासियों का आरोप है कि परिवहन विभाग का मैदानी अमला केवल खानापूर्ति में जुटा है। त्योहारी सीजन के दौरान महज एक-दो बसों की जांच कर चालान बनाए गए, जबकि बड़े स्तर पर चल रहे इस अवैध खेल पर विभाग ने चुप्पी साध रखी है। यदि समय रहते नियमों का कड़ाई से पालन नहीं कराया गया, तो किसी बड़े हादसे की जिम्मेदारी किसकी होगी। जब आरटीओ ह्रदेश यादव से इस विषय पर चर्चा की तो उन्होंने मीडिया से ही नियमों का पालन न करने वाली बसों की लिस्ट मांग ली और कार्रवाई करने की बात कही, उन्होंने बताया कि बैठक लेकर बस संचालकों को नियमों का सख्ती से पालन कराने के निर्देश दिए गए है, किराया सूची भी एसोसिएशन को उपलब्ध कर दी थी, जो भी संचालक सूची के अनुसार तय किरए से ज्यादा वसूल रहे है उनपर कार्रवाई की जा रही है, प्राथमिक चिकित्सा किट ना होने पर भी चालानी कार्रवाई की है, अगर आपके पास इस तरह की बसों की जानकारी के तो उपलब्ध कराएं।

आपसी रंजिश में अंकित तोमर की हत्या के चारों आरोपियों का पुलिस ने निकल जुलूस

मंडीदीप। दोपहर मेट्रो

औद्योगिक शहर के वार्ड क्रमांक-2 स्थित खिरिया मोहल्ले में हुई युवक अंकित तोमर हत्याकांड का पुलिस ने चंद घंटों में खुलासा करते हुए चार आरोपियों को गिरफ्तार कर नगर मै निकल जुलूस बुधबार की रात 9 बजे पुरानी रंजिश को लेकर आरोपियों का फरियादी के भाई से विवाद हुआ। इसी दौरान धारदार छुरे से हमला कर 25 वर्षीय अंकित तोमर, पिता सुनील तोमर की हत्या कर दी गई जबकि बीच-बचाव करने आई युवती भी गंभीर घायल हो गई वहीं युवती की हालत गंभोर बताईं जा रही उसका उपचार जारी है वारदात के बाद आरोपी मौके से फरार हो गए मामले की गंभीरता को देखते हुए रायसेन पुलिस अधीक्षक आशुतोष गुप्ता के निर्देशन में एसडीओपी शीला सुराना के नेतृत्व में तत्काल विशेष अनुसंधान दल गठित किया गया मंडीदीप थाना प्रभारी रंजीत सराठे के नेतृत्व में पुलिस टीम ने अलग-अलग स्थानों पर दबिश दी। तकनीकी साक्ष्यों, संदिग्धों से पूछताछ और मुखबिर की सूचना के आधार पर पुलिस

आरोपियों तक पहुंची। रोहित मेहरा उम्र 28 वर्ष, बल्ला उर्फ बलराम मेहरा उम्र 46 वर्ष, मुकेश उर्फ गुड्डू मेहरा उम्र 38 वर्ष और बाबूलाल मेहरा उम्र 35 वर्ष को गिरफ्तार कर पुलिस ने साथ ही के कब्जे से लोहे के छुरे जब्त किए और प्रकरण में आर्म्स एक्ट की धारा 25 भी जोड़ी गई। सभी आरोपियों को न्यायालय में पेश किया गया पुलिस टीम में इनकी रही महत्वपूर्ण भूमिका इस कार्रवाई में थाना प्रभारी मंडीदीप रंजीत सराठे, थाना प्रभारी सतलापुर विजय त्रिपाठी, थाना प्रभारी औबेदुल्लागंज भारत सिंह, थाना प्रभारी गौहरगंज विनोद परमार, थाना प्रभारी नूरगंज संजय यादव, सहित अरविंद पांडे ने भी कार्रवाई में सराहनीय योगदान दिया मंडीदीप पुलिस की तत्परता और टीमवर्क के चलते हत्या की इस वारदात का चंद घंटों में खुलासा कर चार आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया मामले में पुलिस की विवेचना जारी है।

पुरी के गोल्डन बीच पर नहाते समय लापता हुआ राजगढ़ का 16 वर्षीय खो-खो खिलाड़ी

राजगढ़। दोपहर मेट्रो

जिले के सारंगपुर क्षेत्र के किठोर गांव का रहने वाला 16 वर्षीय खिलाड़ी नितेश चावड़ा नेशनल खो-खो प्रतियोगिता में हिस्सा लेने पुरी ओडिशा गया था, जहां गोल्डन बीच पर नहाते समय तेज लहरों की चपेट में आकर समुद्र में लापता हो गया। घटना बुधवार दोपहर करीब 2.45 बजे की बताई जा रही है। नितेश के साथी खिलाड़ियों ने तुरंत मौके पर मौजूद लाइफ गार्ड को सूचना दी। सूचना मिलते ही रेस्क्यू टीम ने समुद्र में उसकी तलाश शुरू की, लेकिन देर तक उसका कोई सुराग नहीं मिल सका।

जानकारी के अनुसार नितेश इंदौर खो-खो फेडरेशन की टीम के साथ 27 अगस्त को पुरी गया था। टीम ने राष्ट्रीय प्रतियोगिता में भाग लिया था। प्रतियोगिता समाप्त होने के बाद मंगलवार को सभी खिलाड़ी मंदिर दर्शन के लिए गए थे। दर्शन के बाद खिलाड़ी गोल्डन बीच पहुंचे और समुद्र में नहाने लगे। इसी दौरान नितेश तेज लहरों की चपेट में आकर गहरे पानी की ओर चला गया। कुछ देर बाद जब वह दिखाई नहीं दिया तो साथियों ने उसकी तलाश शुरू की। साथियों ने उसे पानी में डूबते हुए देखने की बात बताई है। घटना की सूचना पुरी के सी बीच थाने में दी गई जिसके बाद नितेश के गांव किठोर में परिजनों को सूचना पहुंचाई गई। घटना की जानकारी गांव पहुंचते ही परिवार में मातम छाया हुआ है। ग्राम पंचायत सरपंच दिलीप ठाकुर के अनुसार नितेश माता-पिता का इकलौता बेटा है और उसकी एक छोटी बहन है। परिवार पट्टे की जमीन पर खेती कर जीवनयापन करता है। सूचना मिलने के बाद सरपंच भी पुरी पहुंच गए हैं और स्थानीय स्तर पर रेस्क्यू कार्य में सहयोग कर रहे हैं। हालांकि अभी तक नितेश की तलाश जारी थी।

कोच भरत भैरवे ने बताया कि प्रतियोगिता में खिलाड़ियों को भेजने से पहले नितेश के पिता की अनुमति ली गई थी। टीम में बैंगलोर में हुई प्रतियोगिता में गोल्ड मेडल जीतने वाले खिलाड़ियों का चयन किया गया था। नितेश को अतिरिक्त खिलाड़ी के रूप में टीम में शामिल किया गया था।

मेट्रो एंकर

अशोकनगर की महिला एसआई ने बनाया वीडियो

'मेरी छोटी सी बच्ची है, कोई तो मेरी बात सुन ले'

अशोकनगर। दोपहर मेट्रो

जिले में पुलिस विभाग में तैनात एक महिला सब इंस्पेक्टर ने वीडियो बनाकर गंभीर आरोप लगाए हैं। वीडियो में महिला सब इंस्पेक्टर अपनी बीमारी के बारे में बता रही हैं और उनका कहना है कि वो अपनी समस्या एसपी से लेकर पीएचक्यू तक बता चुकी हैं लेकिन कोई उनकी समस्या नहीं समझ रहा है। इतना ही नहीं महिला एसआई ने एसपी पर करीब 5 महीने की सैलरी रोकने का आरोप भी लगाया है। वहीं अशोकनगर एसपी का इस पूरे मामले पर कहना है कि ड्यूटी से गैर हाजिर रहकर इस तरह से वीडियो बनाकर ये सब कहना, इससे बेहतर है कि वो ड्यूटी ज्वाइन करें, अपना आवेदन दें, अपने दस्तावेज दें और उन दस्तावेजों का परीक्षण करते हुए साथ ही उनकी समस्या को दृष्टिगत रखते हुए उचित निराकरण उनका किया जाए।

वीडियो बनाने वाली महिला एसआई का नाम पूजा रघुवंशी है, जो वीडियो सामने आया है उसमें वो कह रही हैं- कार एक्सीडेंट होने के कारण मेरी स्पाइन में फैक्चर आया था, जिसके बाद मैं एक साल तक बेड रेस्ट पर रही थी। लेकिन तब कुछ टाइम बाद मेरा दर्द ठीक हो गया था, पर पिछले 7-8 महीने से मेरी स्पाइन में बहुत ज्यादा दर्द हो रहा है और उसे मैं सहन भी नहीं कर पा रही हूं। जिसके कारण मैं पिछले 5-6 महीने से मेडिकल पर हूं और डॉक्टरों के चक्कर लगा रही हूं। मेरी इसी समस्या के चलते मैं लगातर अधिकारियों के सामने निवेदन कर रही हूं, मैं एसपी साहब से लेकर पीएचक्यू के वरिष्ठ अधिकारियों तक अपनी समस्या रख चुकी हूं और मैं बार-बार इतना निवेदन कर रही हूं।

वीडियो में स्ठ पूजा रघुवंशी ने आगे कहा- मैंने कभी भी अपनी ड्यूटी से बचने की मांग नहीं की है, मैं आज भी पूरी निष्ठा से ड्यूटी करना चाहती हूं, जो मैंने पहले भी की है। लेकिन लगातार भारी ड्यूटी और फील्ड ड्यूटी करना मेरे लिए कठिन है। मैं कई बार आवेदन दे चुकी हूं, मैं विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों से सिर्फ इतना कहना चाहती हूं, हाथ जोड़कर निवेदन है कि मेरी समस्या को समझिए, मेरी मेडिकल कंडीशन को देखते हुए मुझे कोई ऑफिस पोस्टिंग दे दीजिए।

एसपी बोले- ड्यूटी ज्वाइन करें, अपना आवेदन और दस्तावेज दें

एसआई पूजा रघुवंशी की ओर से जारी किए गए वीडियो के बाद एसपी राजीव कुमार ने कहा है कि- पूजा रघुवंशी लगभग 7 महीने से ड्यूटी पर नहीं हैं, ड्यूटी से गायब हैं और इस गैरहाजिरी की अवधि में उन्होंने अपने मेडिकल के कागजात भेजे थे। जिसमें उनके द्वारा रीढ़ की हड्डी में समस्या बताई गई थी, उनकी गैर हाजिरी के दो महीने बाद मेडिकल पक्ष के समक्ष उनको बुलाया गया था। तब उनका मेडिकल बोर्ड में परीक्षण भी हुआ और मई के महीने में 10 दिन का आराम करने की सलाह पूजा रघुवंशी को दी थी, फिर ड्यूटी ज्वाइन करने की बात भी कही थी। लेकिन उसके बाद से अब तक पूजा रघुवंशी ड्यूटी पर नहीं लौटीं हैं और लगातार गैर हाजिर हैं, हालांकि उनके मेडिकल के कागजात जरुर आते रहे हैं, लेकिन एक बार भी वो खुद समक्ष प्रस्तुत नहीं हुई हैं। अब जो उनके द्वारा वीडियो बनाकर बातें कहीं गई हैं, उसके बारे में मैं इतना ही कहना चाहूंगा कि ड्यूटी से गैर हाजिर रहकर इस तरह से वीडियो बनाकर ये सब कहना, इससे बेहतर है कि वो ड्यूटी ज्वाइन करें, अपना आवेदन दें।

कार्यालय थाना प्रभारी थाना शाहजहानाबाद भोपाल

क्रं. थाप्र./शाह./भो./डी-1046/26 दिनांक 31-08-2026

प्रति,

जाहिर सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है की उपरोक्त विषयान्तर्गत लेख कर निवेदन है कि थाना शाहजहानाबाद पर 29.04.26 को सूचक समीना मसीह पिता विजय मसीह उम्र 36 वर्ष निवासी आसरा वॉद्ध आश्रम शाहजहानाबाद की सूचना पर थाना शाह. बाद पर मर्ग क्र 015/26 बी.एन.एस.एस. 194 का पंजीबद्ध कर जांच में लिया गया। मृतिका अज्ञात महिला उम्र करीबन 75-80 वर्ष लकवा की बीमारी से पीडित थी जिसे हमीदिया अस्पताल से बाद उपचार के आसरा वृद्धा आश्रम गोल घर हमीदिया अस्पताल के डाक्टरों द्वारा छोड़ा गया था जिसके परिजनों की तलाश हेतु हर संभव प्रयास किये जा रहे हैं।

मृतका का हुलिया शरीर दुबला पतला चाकलेटी रंग की मेक्सी पहने थी सिर पर पुराना चोट का निशान थे जिसके परिजनो के हर संभव प्रयास किये गये जो कोई जानकारी नहीं मिली जिस व्यक्ति को जानकारी हो थाना शाहजहानाबाद भोपाल पर उपस्थित आकर सूचना देवे अथवा दूरभाष नं. 9479990579 एवं जांच कर्ता प्र.आर.2819 चन्द्रकान्त शर्मा के मो.नं. 7049104341 पर संपर्क करें।

थाना प्रभारी
थाना शाहजहांनाबाद भोपाल

जी-18093/26

सागर में गरीबों के राशन पर डाका: पीडीएस राशन में अनियमितता और खाद्यान्न गबन के मामले में जिला प्रशासन ने की कार्रवाई

पांच उचित मूल्य दुकानों में लाखों के खाद्यान्न का गबन, विक्रेताओं पर एफआईआर

सागर। दोपहर मेट्रो

जिले में सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस) के राशन में बड़े पैमाने पर धांधली और गरीबों का खाद्यान्न हड़पने वाले पांच शासकीय उचित मूल्य दुकानों के विक्रेताओं पर जिला प्रशासन ने कड़ा शिकंजा कसा है। कलेक्टर श्रीमती प्रतिभा पाल के निर्देश पर खाद्य विभाग की जांच में लाखों रुपये के खाद्यान्न गबन का खुलासा होने के बाद संबंधित पुलिस थानों में एफआईआर दर्ज कराई गई है। इसके साथ ही पांचों दुकानों को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है।

शहर की विभिन्न राशन दुकानों से हितग्राहियों को राशन नहीं मिलने और वितरण में धांधली की शिकायतें जनसुनवाई, सीएम हेल्पलाइन और समाचार माध्यमों के जरिए लगातार मिल रही थीं। मामले को गंभीरता से लेते हुए सहायक आपूर्ति अधिकारी श्रीमती चारू जैन और प्रभारी सहायक आपूर्ति अधिकारी अभिषेक मोर की टीम ने गांधीचौक, रामपुरा, शास्त्री वार्ड, शिवाजीनगर और सुबेदार-01 की राशन दुकानों का औचक निरीक्षण किया। जांच के दौरान मौके पर भौतिक स्टॉक और रिकॉर्ड में भारी अंतर मिला। रिकॉर्ड के अनुसार उठाए गए खाद्यान्न और हितग्राहियों को वितरित किए गए खाद्यान्न में भी काफी अंतर पाया गया। जांच में गंभीर अनियमितताएं सामने आने के बाद आरोपियों के खिलाफ सार्वजनिक वितरण प्रणाली नियंत्रण आदेश, आवश्यक वस्तु अधिनियम की धारा 3/7 तथा भारतीय न्याय संहिता 2023 की धारा 316(5) और 318(4) के तहत मामला दर्ज किया गया है। प्रशासन ने गबन की राशि की रिकवरी की कार्रवाई भी शुरू कर दी है। हितग्राहियों को राशन मिलने में किसी तरह की असुविधा न हो, इसके लिए निलंबित दुकानों को नजदीकी शासकीय राशन दुकानों से अस्थायी रूप से अटैच कर दिया गया है।

किस दुकान पर कितना गबन

- **सुबेदार-01 वार्ड:** वर्तमान विक्रेता ध्रुव रजक के स्तर पर 1.45 लाख रुपये मूल्य के 2,236 किलोग्राम तथा पूर्व विक्रेता अतुल तिवारी के कार्यकाल में 15.67 लाख रुपये मूल्य के 5,60,012 किलोग्राम खाद्यान्न का हिसाब नहीं मिला।
- **शास्त्री वार्ड:** विक्रेता रमा तिवारी एवं सहायक विक्रेता अनुरोध तिवारी के स्तर पर 14.55 लाख रुपये कीमत के 47,291 किलोग्राम खाद्यान्न का गबन पाया गया।
- **गांधीचौक वार्ड:** वर्तमान विक्रेता अनुराग सोनी के स्तर पर 1.04 लाख रुपये मूल्य के 3,293 किलोग्राम तथा पूर्व विक्रेता अतुल तिवारी के स्तर पर 7.49 लाख रुपये मूल्य के 24,054 किलोग्राम खाद्यान्न का अंतर पाया गया।
- **रामपुरा वार्ड:** विक्रेता अतुल तिवारी के स्तर पर 4.75 लाख रुपये मूल्य के 15,544 किलोग्राम खाद्यान्न का हिसाब नहीं मिला।
- **शिवाजीनगर वार्ड:** विक्रेता दीपक श्रीवास्तव के स्तर पर 6.47 लाख रुपये कीमत के 20,362 किलोग्राम खाद्यान्न की अफरा-तफरी पाई गई।

न्यूज विंडो

75 क्विंटल अवैध लकड़ी से लदा था आयशर, उड़नदस्ते ने पकड़ा

धार। वन संपदा की तस्करी और अवैध परिवहन के खिलाफ धार वन विभाग के उड़नदस्ते ने लगातार चौथी बार बड़ी कार्रवाई की है। गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए टीम ने बिना वैध दस्तावेजों के 75 क्विंटल अवैध आरा-काट लकड़ी से लदे एक आयशर वाहन को पकड़ा है। वन मंडलाधिकारी विजयानंथम टीआर के निर्देशन और उड़नदस्ता प्रभारी राजेंद्र राठौर के नेतृत्व में टीम ने यह कार्रवाई की गई। वन विभाग को मुखबिर से आयशर वाहन में अवैध लकड़ी ले जाने की पक्की सूचना मिली थी। निगरानी के दौरान घाटा-बिल्लौद-धार मार्ग पर तेज रफ्तार से जा रहे आयशर वाहन को टीम ने घेराबंदी कर रोक लिया। वाहन की तलाशी लेने पर उसमें भारी मात्रा में आरा-काट लकड़ी मिली। उड़नदस्ते ने जब चालक अरुण पिता नंदराम से लकड़ी परिवहन की अनुमति और अन्य वैध दस्तावेज मांगे, तो वह कोई भी कागजात पेश नहीं कर सका। दस्तावेज न होने पर टीम ने वाहन और लकड़ी को तुरंत अभिरक्षा में लेकर मांडव रोड स्थित वन विश्रामगृह पहुँचाया। वन विभाग अब इस बात की गहन जांच कर रहा है कि यह लकड़ी कहां से काटी गई, किस आरा मशीन पर इसका चिराना हुआ और इसे कहां खपाने की तैयारी थी। डीएफओ विजयानंथम टीआर ने बताया कि किया है कि वन संपदा का अवैध परिवहन किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और ऐसे माफियाओं के खिलाफ कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी।

शिक्षक विजय तिवारी को दी विदाई 41 वर्षों की सेवाओं को सराहा

नरसिंहपुर। शासकीय हाईस्कूल नयागांव में पदस्थ वरिष्ठ शिक्षक विजय कुमार तिवारी की सेवानिवृत्ति पर विद्यालय में विदाभिनंदन समारोह का आयोजन किया गया। 41 वर्षों के लंबे और निष्ठावान सेवाकाल के बाद सेवानिवृत्त होने पर उन्हें भावभीनी विदाई दी गई। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में विकासखंड शिक्षा अधिकारी ब्रजेश शर्मा मौजूद रहे, जबकि अध्यक्षता ग्राम पंचायत सरपंच प्रताप सिंह गुमास्ता ने की। समारोह में अतिथियों और विद्यालय स्टाफ द्वारा सेवानिवृत्त शिक्षक तिवारी का शाल, श्रीफल एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मान किया गया। अतिथियों ने उनके कार्यकाल की सराहना करते हुए कहा कि उन्होंने अपने 41 वर्ष के शासकीय सेवाकाल में जिस निष्ठा और ईमानदारी से विद्यार्थियों का मार्गदर्शन किया, वह प्रशंसनीय और अनुकरणीय है। इस अवसर पर सेवानिवृत्त हुए विजय कुमार तिवारी ने भी अपने दीर्घकालिक शैक्षणिक अनुभवों को साझा किया और सभी शिक्षकों व ग्रामीणों द्वारा मिले सहयोग के प्रति कृतज्ञता जताई। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में बीआरसी ओपी राय और नयागांव स्कूल की प्राचार्य प्रीति नेमा उपस्थित रहीं। इसके अलावा आसपास के विभिन्न गांवों से आए प्राचार्य, शिक्षक और ग्रामीण जन बड़ी संख्या में मौजूद रहे।

जन्माष्टमी की पूर्व संध्या पर शासकीय प्राथमिक शाला समदई में हुआ पौधरोपण

तेंदूखेड़ा /तेजगढ़। मध्य प्रदेश शासन के स्कूल शिक्षा विभाग के निर्देशानुसार जन्माष्टमी के पावन पर्व के उपलक्ष्य में विद्यालयों में विभिन्न सांस्कृतिक एवं शैक्षणिक कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इसी क्रम में शासकीय प्राथमिक शाला समदई में जन्माष्टमी की पूर्व संध्या पर विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान विद्यालय परिसर में पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए मधु कामिनी का पौधा रोपित किया गया। यह पौधा शिक्षक शोएब खान द्वारा लाया गया था, जिसे विद्यालय के शिक्षकों एवं विद्यार्थियों के सहयोग से व्यवस्थित रूप से लगाया गया। पौधरोपण के पश्चात शिक्षकों ने छात्र-छात्राओं को भगवान श्रीकृष्ण के जीवन चरित्र, उनके आदर्शों, शिक्षाओं तथा जन्माष्टमी पर्व के धार्मिक एवं सांस्कृतिक महत्व के बारे में जानकारी दी। बच्चों को प्रकृति और पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक रहने का संदेश भी दिया गया। इस अवसर पर शिक्षक भोजराज सिंह लोधी, शिवबती ठाकुर, अनीता नामदेव, शोएब खान एवं राजेंद्र ठाकुर सहित विद्यालय के समस्त छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। कार्यक्रम के माध्यम से बच्चों में धार्मिक, सांस्कृतिक एवं पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता का संदेश दिया गया।

छिंदवाड़ा के धरमटेकड़ी चौकी क्षेत्र का मामला, अस्पताल में मचा हड़कंप

रेबीज से जूझ रही महिला ने काटी गले और हाथ की नस, इलाज के दौरान मौत

छिंदवाड़ा। दोपहर मेट्रो

छिंदवाड़ा के धरमटेकड़ी चौकी क्षेत्र में रेबीज संक्रमण से जूझ रही 45 वर्षीय महिला ने असहनीय परेशानी के बीच खुद को गंभीर रूप से घायल कर लिया। महिला ने अपने गले और हाथ की नस काट ली। खून से लथपथ हालत में उसे जिला अस्पताल लाया गया, जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई, लेकिन महिला की मौत के बाद अस्पताल में उस समय हड़कंप मच गया, जब डॉक्टरों को पता चला कि महिला लंबे समय से रेबीज संक्रमित थी।

सबसे गंभीर बात यह रही कि महिला को अस्पताल लाने वाले परिजनों ने डॉक्टरों और मेडिकल स्टाफ को उसके रेबीज संक्रमित होने की जानकारी नहीं दी थी। ऐसे में इमरजेंसी में महिला के इलाज के दौरान डॉक्टर और कर्मचारी उसके संपर्क में आए। संक्रमण की जानकारी सामने आने के बाद अस्पताल प्रबंधन ने तत्काल एहतियाती कदम उठाते हुए संपर्क में आए डॉक्टरों, कर्मचारियों और परिजनों को रेबीज से बचाव के इंजेक्शन लगवाए।

जिला अस्पताल के आरएमओ डॉ. हर्षवर्धन कुड़ापे के अनुसार प्राथमिक पूछताछ में पता चला है कि करीब तीन महीने पहले महिला एक स्ट्रीट डॉग को अपने घर लेकर आई थी। इसी दौरान कुत्ते ने महिला को काट लिया था। कुछ दिन बाद कुत्ते की मौत हो गई, लेकिन महिला ने कुत्ते के काटने को गंभीरता से नहीं लिया। बताया गया है कि महिला ने रेबीज से बचाव के लिए वैक्सीन नहीं लगवाई। कुछ समय बाद उसमें रेबीज के लक्षण दिखाई देने लगे। संक्रमण बढ़ने पर वह पानी और हवा से डरने लगी थी। परिजन उसका इलाज कराने नागपुर भी ले गए थे, लेकिन हालत में सुधार नहीं हुआ। महिला के गले और हाथ की नस कटने से काफी खून बह रहा था। उसे इमरजेंसी के ड्रेसिंग रूम में ले जाकर उपचार दिया गया था। रेबीज संक्रमण की जानकारी मिलने के बाद अस्पताल प्रबंधन ने ड्रेसिंग रूम को दवाओं का स्प्रे कर सैनिटाइज कराया। अस्पताल प्रबंधन ने संक्रमण के संभावित खतरे को देखते हुए अन्य मरीजों और स्टाफ की सुरक्षा के लिए आवश्यक सावधानी बरती। धरमटेकड़ी चौकी प्रभारी दिनेश बघेल ने बताया कि महिला की मौत के मामले में मर्ग कायम कर जांच की जा रही है। रेबीज संक्रमण की पुष्टि होने के बाद प्रोटोकॉल के तहत महिला का पोस्टमार्टम नहीं कराया गया। पुलिस की प्राथमिक जांच में यह बात सामने आई है कि महिला रेबीज संक्रमण से परेशान थी और इसी परेशानी के चलते उसने खुद को घायल किया। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

पानी और हवा से डरने लगी थी महिला

रेबीज संक्रमण बढ़ने के साथ महिला की हालत लगातार बिगड़ती गई। पानी पीने और हवा के संपर्क में आने पर परेशानी होने लगी थी। बीमारी से होने वाली असहनीय तकलीफ के बीच बुधवार को उसने गला और हाथ की नस काटकर खुद को गंभीर रूप से घायल कर लिया। गंभीर हालत में उसे जिला अस्पताल लाया गया, लेकिन डॉक्टरों के प्रयास के बावजूद उसकी जान नहीं बचाई जा सकी।

मौत के बाद पता चला संक्रमण, मचा बवाल

महिला की मौत के बाद जब उसके रेबीज संक्रमित होने की जानकारी अस्पताल प्रबंधन को मिली तो कर्मचारियों में चिंता की स्थिति बन गई। क्योंकि महिला को इमरजेंसी यूनिट के ड्रेसिंग रूम में प्राथमिक उपचार दिया गया था। संक्रमण की आशंका को देखते हुए अस्पताल प्रबंधन ने महिला के संपर्क में आए करीब 6 से 7 परिजनों तथा इलाज में शामिल डॉक्टरों और 25 से 30 मेडिकल स्टाफ को एहतियातन रेबीज से बचाव के इंजेक्शन लगाए।

गिरधर पब्लिक स्कूल में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर बच्चों ने दी प्रस्तुति

मंडीदीप। दोपहर मेट्रो

गिरधर पब्लिक स्कूल में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी का पर्व हर्षोल्लास एवं भक्तिभाव के साथ मनाया गया। इस अवसर पर विद्यार्थियों ने भगवान श्रीकृष्ण एवं राधा सहित विभिन्न पौराणिक पात्रों की वेशभूषा धारण कर आकर्षक प्रस्तुतियां दीं। कार्यक्रम स्थल को रंग-बिरंगी सजावट, फूलों एवं भगवान श्रीकृष्ण की झांकी से सजाया गया। विद्यार्थियों ने अपनी मनमोहक वेशभूषा और प्रस्तुतियों से सभी का मन मोह लिया। संस्थान के शिक्षकों एवं स्टाफ सदस्यों ने विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन किया और भगवान श्रीकृष्ण के आदर्शों को जीवन में अपनाने का संदेश दिया। इस अवसर पर संस्थान के अध्यक्ष रघुनाथ पाटीदार सचिव अरविंद पाटीदार प्रबंध संचालक नीलेश पाण्डेय प्राचार्य अनुराग मसीह सरिता हजारे रामशंकर ठाकुर शिल्पी जैन एवं सभी शिक्षक छात्र-छात्राएं उपस्थित हुए। इस अवसर पर संस्थान का वातावरण भक्तिमय एवं उल्लासपूर्ण रहा तथा विद्यार्थियों ने उत्साह के साथ जन्माष्टमी पर्व का आनंद लिया।

कर्नाटक की एटीएम डकैती से जुड़े है आरोपियों के तार

एटीएम कटर गिरोह के दो आरोपी किए गिरफ्तार, लाखों की नकदी व जीप जब्त

धार। दोपहर मेट्रो

कानवन थाना पुलिस ने एक अंतर्राज्यीय एटीएम कटर चोर गिरोह का पर्दाफाश किया है। पुलिस ने 16 किलोमीटर तक पीछा कर दो शातिर आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया, जबकि तीन अन्य आरोपी अंधेरे और खेतों का फायदा उठाकर फरार हो गए। पकड़े गए आरोपियों के पास से एक ब्लैक स्कॉर्पियो और तीन लाख से अधिक नकद बरामद किए गए हैं।

देर रात्रि में धार रोड से रतलाम फोरलेन की ओर तेज गति से जा रही संदिग्ध ब्लैक स्कॉर्पियो एमएच 12 एक्सएच 5112 को देखकर कानवन पुलिस टीम ने रोकने का प्रयास किया। चालक द्वारा गाड़ी न रोकने पर पुलिस ने पीछा करना शुरू किया। छोकला टोल प्लाजा पर नाकाबंदी देखकर कार सवार 5 बदमाश वाहन छोड़कर पास के सोयाबीन के खेतों में भाग निकले। पुलिस टीम ने मुस्तैदी दिखाते हुए एक आरोपी को मौके पर ही दबोच लिया, जबकि दूसरे आरोपी को ड्रोन और स्थानीय ग्रामीणों की मदद से गहन सर्चिंग चलाकर गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार आरोपियों में साहिल उर्फ दातु खान निवासी धीरणकी, जिला पलवल, हरियाणा और कमरियाब पिता सत्तार, निवासी- मेरठ, उत्तर प्रदेश है। कड़ाई से पूछताछ करने पर आरोपियों ने कर्नाटक के विजयपुर जिले में एटीएम काटकर नकदी चोरी करने की वारदात स्वीकार की है। इस संबंध में थाना कुडगी जिला विजयपुरा, कर्नाटक) में अपराध दर्ज है। आरोपियों से अन्य राज्यों में हुई चोरी की घटनाओं के बारे में भी पूछताछ की जा रही है। इस पूरी कार्रवाई में कानवन थाना प्रभारी निरीक्षक रविन्द्र कुमार बारिया, उप निरीक्षक सोहनसिंह कायत, आरक्षक दिलीप जाट एवं पायलट सुभाष सोलंकी की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

मेट्रो एंकर

उज्जैन के द्वारकाधीश गोपाल मंदिर में जन्माष्टमी का पर्व विशेष परंपराओं के साथ मनाया जा रहा

कृष्ण का वो मंदिर, जहां जन्माष्टमी के बाद बदल जाती है कान्हा की दिनचर्या

उज्जैन। दोपहर मेट्रो

बाबा महाकाल की नगरी उज्जैन केवल शिव भक्ति ही नहीं, बल्कि कृष्ण भक्ति और सदियों पुरानी ऐतिहासिक विरासतों का भी एक अनुपम केंद्र है। शहर के हृदय स्थल में स्थित द्वारकाधीश गोपाल मंदिर इसका जीवंत प्रमाण है। इतिहास के पन्नों में दर्ज संघर्षों की गाथा और मराठा काल की धार्मिक आस्था का यह संगम इस जन्माष्टमी पर श्रद्धालुओं के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र बना हुआ है। मंदिर की अनूठी परंपराएं, सोमनाथ से गजनी और लाहौर होते हुए उज्जैन पहुंचे ऐतिहासिक चांदी के दरवाजे और बाल रूप में विराजमान कान्हा की अनोखी दिनचर्या इसे देशभर के अन्य मंदिरों से बिल्कुल अलग बनाती है।

गोपाल मंदिर की सबसे खास और मनमोहक परंपरा भगवान कृष्ण के बाल स्वरूप से जुड़ी है। मान्यता है कि जन्माष्टमी पर जन्म के बाद भगवान पूर्णतः बाल रूप (छोटे बालक) में रहते हैं। मंदिर के पुजारी पावन शर्मा के अनुसार जिस प्रकार एक छोटे बालक के सोने और जागने का कोई निश्चित समय नहीं होता, ठीक उसी तरह जन्माष्टमी से लेकर बछ बारस तक भगवान की दिनचर्या भी बाल रूप के अनुसार ही रहती है। यही कारण है कि इन 5 दिनों तक मंदिर में रात की नियमित शयन आरती नहीं की जाती। बछ बारस के दिन दोपहर 12 बजे मंदिर परिसर में पारंपरिक मटकी फोड़ का आयोजन होगा। इसके बाद भगवान की शयन आरती की जाएगी। तत्पश्चात त्रयोदशी से रात 9 बजे की नियमित शयन आरती पुनः शुरू होगी। यह भव्य मंदिर केवल धार्मिक आस्था का केंद्र नहीं है, बल्कि उज्जैन के मराठा स्थापत्य का एक सुंदर उदाहरण भी है। 19वीं शताब्दी में महाराजा दौलतराव सिंधिया की धर्मपत्नी महारानी बैजीबाई शिंदे ने अपने आराध्य देव गोपाल कृष्ण के प्रति अपनी अगाध भक्ति व्यक्त करने के लिए इस मंदिर का निर्माण करवाया था। गर्भगृह में गोपाल कृष्ण, श्रीराधा और रुक्मिणी जी की अत्यंत सुंदर चांदी की प्रतिमाएं स्थापित हैं। साथ ही संगमरमर से निर्मित भगवान शिव-पार्वती और महारानी बैजीबाई की प्रतिमाएं भी यहां विराजित हैं। मंदिर के विशाल सभा मंडप में काले पाषाण के मुरली मनोहर, सफेद संगमरमर के हनुमान जी, कामधेनु गाय और द्वारपाल जय-विजय की प्रतिमाएं दर्शनीय हैं।

मंदिर के चांदी के दरवाजों की यह है रहस्यमयी यात्रा

गोपाल मंदिर के मुख्य आकर्षणों में से एक हैं इसके गर्भगृह पर मढ़े चांदी के भव्य द्वार। पुरातत्व विभाग, मध्य प्रदेश के बोर्ड और प्रचलित ऐतिहासिक मान्यताओं के अनुसार, इन दरवाजों का इतिहास बेहद संघर्षपूर्ण और रोचक रहा है। बताया जाता है कि ये द्वार मूल रूप से प्रसिद्ध सोमनाथ मंदिर के थे, जिन्हें महमूद गजनवी अपने आक्रमण के दौरान लूटकर गजनी ले गया था। बाद के दौर में अफगान शासक अहमद शाह दुर्रानी (अब्दाली) के समय ये दरवाजे लाहौर पहुंचे। 19वीं सदी में सिंधिया शासनकाल के दौरान इन्हें सिंधिया राजवंश द्वारा वापस भारत लाया गया और उज्जैन के गोपाल मंदिर में स्थापित किया गया। यद्यपि इतिहासकार इन दरवाजों के हर पड़ाव के दस्तावेजी प्रमाणों पर अलग-अलग मत रखते हैं, लेकिन लोक स्मृति, पुरातत्व विभाग की जानकारी और आस्था का यह संगम इस विरासत को और भी दिव्य व रोचक बनाता है।

दलीप ट्रॉफी फाइनल से पहले बड़ा पेंच,

6 खिलाड़ियों पर टिकी निगाहें, गंभीर के फैसले से तय होगी टीम की तस्वीर

नई दिल्ली। दलीप ट्रॉफी के फाइनल से पहले साउथ जोन की टीम में कुछ खिलाड़ियों की उपलब्धता को लेकर तस्वीर पूरी तरह साफ नहीं हुई है। 6 सितंबर से चेन्नई में होने वाले खिताबी मुकाबले में साउथ जोन की भिड़ंत ईस्ट जोन से होगी। इस अहम मुकाबले के लिए टीम में कई बड़े भारतीय खिलाड़ियों के शामिल होने की संभावना है, लेकिन तीन खिलाड़ियों के खेलने पर अंतिम फैसला अभी बाकी है।

सूत्रों के मुताबिक, केएल राहुल, देवदत्त पडिक्कल और मोहम्मद सिराज को दलीप ट्रॉफी फाइनल में उतरने के लिए कहा गया है। चयनकर्ताओं का मानना है कि इन खिलाड़ियों के पास फिलहाल कोई प्रतिस्पर्धी मुकाबला नहीं है। ऐसे में उन्हें लंबे अंतराल के बाद सीधे अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में उतारने के बजाय घरेलू क्रिकेट का अहम मुकाबला खेलना ज्यादा उपयोगी रहेगा।

27 अगस्त के बाद अगला मुकाबला सीधे वनडे सीरीज में

राहुल, पडिक्कल और सिराज ने अपना पिछला प्रतिस्पर्धी मुकाबला 27 अगस्त को खेला था। इसके बाद इन खिलाड़ियों के सामने अगली चुनौती 27 सितंबर से वेस्टइंडीज के खिलाफ प्रस्तावित वनडे सीरीज में होगी। इस लिहाज से चयनकर्ता चाहते हैं कि उपलब्ध खिलाड़ी दलीप ट्रॉफी फाइनल में मैदान पर उतरें और प्रतिस्पर्धी क्रिकेट की लय बनाए रखें। देवदत्त पडिक्कल के लिए यह मुकाबला खास तौर पर अहम हो सकता है। वह वेस्टइंडीज के खिलाफ आगामी वनडे टीम में शामिल नहीं हैं। ऐसे में दलीप ट्रॉफी के बाद उनके इंडिया-ए के मुकाबलों में खेलने की संभावना भी बनी हुई है।

3 खिलाड़ियों पर गंभीर करेंगे फैसला

सबसे ज्यादा असमंजस वैभव सूर्यवंशी, ईशान किशन और तिलक वर्मा को लेकर है। तीनों खिलाड़ी भारत की टी20 टीम का हिस्सा हैं और इसी वजह से उनका कार्यक्रम टीम प्रबंधन की योजना से जुड़ा हुआ है। भारतीय टी20 टीम के 9 या 10 सितंबर को दिल्ली में जुटने की संभावना है। ऐसे में टीम प्रबंधन के सामने विकल्प है कि इन तीनों को सीधे दिल्ली बुलाया जाए या पहले दलीप ट्रॉफी फाइनल खेलने के लिए चेन्नई भेजा जाए।

10 सितंबर तक दिल्ली पहुंचने की शर्त पर मिल सकती है हरी झंडी

यदि मुख्य कोच गौतम गंभीर चाहते हैं कि तीनों खिलाड़ी टी20 टीम के कार्यक्रम के मुताबिक पहले ही दिल्ली पहुंचें, तो उनका दलीप ट्रॉफी फाइनल खेलना मुश्किल होगा। वहीं, अगर उन्हें चेन्नई में फाइनल खेलने की अनुमति मिलती है और 10 सितंबर की शाम तक दिल्ली रिपोर्ट करने को कहा जाता है, तो तीनों खिलाड़ी साउथ जोन के लिए मैदान में उतर सकते हैं। यानी राहुल, पडिक्कल और सिराज की उपलब्धता को लेकर स्थिति काफी हद तक स्पष्ट है, जबकि वैभव, ईशान और तिलक का दलीप ट्रॉफी फाइनल खेलना पूरी तरह टीम प्रबंधन के अंतिम फैसले पर निर्भर करेगा।

2027 में पूरे मुकाबले खेलने की जिद बनी सबसे बड़ा सवाल

धोनी ने साफ किए इरादे, सिर्फ बल्लेबाजी के लिए नहीं उतरेंगे

नई दिल्ली , एजेंसी

महेंद्र सिंह धोनी के क्रिकेट भविष्य को लेकर चर्चाओं का दौर एक बार फिर तेज हो गया है। अगले वर्ष होने वाले इंडियन प्रीमियर लीग में चेन्नई सुपर किंग्स की ओर से धोनी खेलेंगे या नहीं, इस पर अभी आधिकारिक तस्वीर साफ नहीं है। हालांकि, चेन्नई के पूर्व बल्लेबाज सुब्रमण्यम बद्रीनाथ ने धोनी की भूमिका को लेकर एक अहम जानकारी साझा की है। उनके मुताबिक धोनी ने स्पष्ट कर दिया है कि अगर वह अगले सत्र में मैदान पर उतरते हैं तो केवल बल्लेबाजी के लिए आने वाली भूमिका स्वीकार नहीं करेंगे।

बद्रीनाथ के अनुसार धोनी का मानना है कि अगर वह प्रतियोगिता में खेलते हैं तो बतौर विकेटकीपर ही मैदान संभालेंगे। इसका मतलब है कि वह पूरे मुकाबले में विकेट के पीछे मौजूद रहना चाहते हैं और केवल जरूरत के समय बल्लेबाजी करने वाले खिलाड़ी की भूमिका नहीं अपनाना चाहते।

धोनी की उम्र अब 45 वर्ष हो चुकी है। ऐसे में पूरे मुकाबले के दौरान विकेटकीपिंग करना उनके शरीर के लिए बड़ी चुनौती माना जा रहा है। यही वजह है कि उनके लिए 'प्रभावी खिलाड़ी' के रूप में उतरने का विकल्प उपयोगी माना जा रहा था। इस व्यवस्था में वह विकेटकीपिंग का पूरा बोझ उठाए बिना अपनी बल्लेबाजी का अनुभव टीम के काम ला सकते हैं। लेकिन बद्रीनाथ की मानें तो धोनी इस विकल्प के पक्ष में नहीं हैं। बद्रीनाथ बोले- टीम के लिए प्रभावी खिलाड़ी वाला विकल्प बेहतरचेन्नई के पूर्व बल्लेबाज ने अपने इंटरनेट माध्यम पर बताया कि मौजूदा परिस्थितियों में धोनी को केवल बल्लेबाजी के लिए इस्तेमाल करना चेन्नई के लिए फायदेमंद हो सकता है। उनका कहना है कि लगातार 20 ओवर विकेटकीपिंग करने का शारीरिक असर धोनी पर पड़ता है और टीम के मुख्य प्रशिक्षक स्टीफन फ्लेमिंग भी पहले इस तरह की बात कर चुके हैं।

अब सबसे बड़ा सवाल- क्या शरीर देगा साथ?

धोनी के सामने असली चुनौती उनकी बल्लेबाजी नहीं, बल्कि पूरे मुकाबले में विकेटकीपिंग करने की शारीरिक क्षमता होगी। यदि वह प्रभावी खिलाड़ी के रूप में खेलने से इनकार करते हैं, तो उन्हें हर मुकाबले में लंबे समय तक मैदान पर रहना होगा। धोनी ने 2024 सत्र से पहले चेन्नई की कप्तानी छोड़ दी थी। इसके बाद उनकी बल्लेबाजी की भूमिका भी पहले के मुकाबले सीमित हुई है। इसके बावजूद मुश्किल परिस्थितियों में उनका अनुभव और आखिरी ओवरों में मुकाबला खत्म करने की क्षमता अब भी चेन्नई के लिए बेहद महत्वपूर्ण है।

पांच बार खिताब दिलाने वाले कप्तान का आखिरी अध्याय?

धोनी चेन्नई सुपर किंग्स को पांच बार इंडियन प्रीमियर लीग का खिताब दिला चुके हैं। उनकी मौजूदगी सिर्फ बल्लेबाजी या विकेटकीपिंग तक सीमित नहीं रहती, बल्कि ड्रेसिंग रूम और मैदान पर उनकी रणनीतिक समझ भी टीम के लिए अहम मानी जाती है। अब निगाहें इस बात पर हैं कि क्या धोनी एक और पूरे सत्र के लिए खुद को तैयार कर पाएंगे। यदि उन्होंने मैदान पर उतरने का फैसला किया तो उनका पूरा मुकाबला विकेटकीपर के रूप में खेलना तय माना जा रहा है। यानी धोनी के अगले सत्र को लेकर सवाल अब यह नहीं रह गया कि वह प्रभावी खिलाड़ी बनेंगे या नहीं। सबसे बड़ा सवाल यह है कि क्या 45 साल की उम्र में माही का शरीर उन्हें पूरे सत्र तक विकेट के पीछे खड़े रहने और मैदान पर लगातार सक्रिय रहने की इजाजत देगा?

पाकिस्तान क्रिकेट में 'महासर्जरी' से मचा हाहाकार

3 साल में कप्तान-कोच बदलते रहे, अब टेस्ट सीरीज के बीच सात खिलाड़ी बाहर

कभी दुनिया पर राज करने वाली टीम का बिखरा कुनबा

नई दिल्ली , एजेंसी

कभी पाकिस्तान क्रिकेट की पहचान उसकी धारदार गेंदबाजी, विस्फोटक बल्लेबाजी और मैदान पर आक्रामक तेवर हुआ करते थे। वसीम अकरम, वकार यूनुस, शोएब अख्तर, सईद अनवर, सकलैन मुश्ताक और शाहिद आफरीदी जैसे सितारों के दौर में दुनिया की बड़ी से बड़ी टीम पाकिस्तान से भिड़ने से पहले रणनीति बनाने को मजबूर होती थी। लेकिन अब वही पाकिस्तान क्रिकेट टीम लगातार प्रयोगों, नेतृत्व परिवर्तन और खराब प्रदर्शन के भंवर में फंसी नजर आ रही है।

इंग्लैंड दौरे पर लगातार हार के बाद पाकिस्तान क्रिकेट में ऐसा फेरबदल हुआ, जिसने पूरी व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं। टेस्ट सीरीज के बीच सात खिलाड़ियों को टीम से बाहर कर दिया गया। हेड कोच सरफराज अहमद और गेंदबाजी कोच उमर गुल की भी छुट्टी हो गई। चयन समिति से मिस्बाह-उल-हक के इस्तीफे ने संकट को और गहरा कर दिया। लॉर्ड्स में पाकिस्तान को 194 रन से हार मिली और सीरीज में टीम 0-2 से पिछड़ गई। इसके बाद टीम प्रबंधन ने बड़ा फैसला लेते हुए कई स्थापित खिलाड़ियों को बाहर का रास्ता दिखा दिया। मोहम्मद रिजवान, इमाम-उल-हक, सलमान आगा, अली उस्मान, आमिर जमाल, अवैस जफर और खुर्रम शहजाद अब टेस्ट टीम का हिस्सा नहीं हैं। उनकी जगह पांच अनकैप्ड खिलाड़ियों को शामिल किया गया है। अराफात मिन्हास, मोहम्मद इमरान जूनियर, साद बेग, मोहम्मद इमरान रंधावा और रजाउल्लाह को अब बड़े मंच पर अपनी किस्मत आजमाने का मौका मिलेगा।

2023 से शुरू हुई कप्तानी की 'उलझी कहानी'

पाकिस्तान क्रिकेट की मौजूदा बदहाली को समझने के लिए करीब तीन साल पीछे जाना होगा। 2023 वनडे विश्व कप में पाकिस्तान ग्रुप चरण से बाहर हुआ। इसके बाद बाबर आजम ने तीनों प्रारूपों की कप्तानी छोड़ दी। शान मसूद को टेस्ट और शाहीन शाह आफरीदी को टी20 की कमान मिली। कोचिंग स्टाफ में भी बड़ा बदलाव हुआ और मोहम्मद हफीज को टीम की जिम्मेदारी दी गई। लेकिन नए नेतृत्व से भी नतीजे नहीं बदले। ऑस्ट्रेलिया में शान मसूद की कप्तानी में पाकिस्तान टेस्ट सीरीज 0-3 से हार गया। इसके बाद शाहीन की अगुवाई वाली टीम न्यूजीलैंड के खिलाफ टी20 सीरीज में 1-4 से हार गई।

बाबर की वापसी भी नहीं बदल सकी तस्वीर

मार्च 2024 में बाबर आजम को दोबारा वनडे और टी20 की कप्तानी सौंप दी गई। उम्मीद थी कि पुराने कप्तान की वापसी से टीम संभलेगी, लेकिन टी20 विश्व कप में पाकिस्तान का प्रदर्शन निराशाजनक रहा। टीम ग्रुप चरण से आगे नहीं बढ़ सकी और भारत तथा अमेरिका से हार गई। इसके बाद विदेशी कोचों को बड़ी जिम्मेदारियां दी गईं। गैरी कर्स्टन को व्हाइट-बॉल और जेसन गिलेस्पी को टेस्ट टीम का कोच बनाया गया, लेकिन दोनों लंबे समय तक पाकिस्तान क्रिकेट व्यवस्था में टिक नहीं सके। कर्स्टन ने अक्टूबर 2024 में इस्तीफा दिया, जबकि गिलेस्पी दिसंबर में अलग हो गए।

चैंपियंस ट्रॉफी में भी नहीं मिली राहत | 2025 की चैंपियंस ट्रॉफी पाकिस्तान के लिए प्रतिष्ठा बचाने का बड़ा मौका थी। लंबे समय बाद पाकिस्तान की धरती पर बड़ा आईसीसी टूर्नामेंट आयोजित हुआ, लेकिन घरेलू परिस्थितियों का भी टीम फायदा नहीं उठा सकी। पाकिस्तान को न्यूजीलैंड और भारत के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा और टीम ग्रुप चरण में ही बाहर हो गई। इसके बाद कोचिंग और चयन व्यवस्था पर दबाव बढ़ता गया। इसी दौर में बाबर आजम और मोहम्मद रिजवान को टी20 टीम से भी बाहर किया गया।

सवाल पीसीबी पर भी | पाकिस्तान क्रिकेट की समस्या को केवल खिलाड़ियों की खराब फॉर्म तक सीमित करना आसान होगा, लेकिन असली सवाल उसकी प्रशासनिक व्यवस्था पर भी उठते हैं। लगातार कप्तान बदलना, कोचों का आना-जाना और चयन समिति में बार-बार फेरबदल टीम के भीतर स्थिरता पैदा नहीं होने देते। मोहसिन नकवी फरवरी 2024 से पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के अध्यक्ष हैं और साथ ही देश के आंतरिक मंत्री की जिम्मेदारी भी संभाल रहे हैं। उनके कार्यकाल में कई बड़े प्रशासनिक और क्रिकेट संबंधी फैसले हुए हैं।

एशियन गेम्स, नीरज चोपड़ा को चोट ने रोका, अब यशवीर के कंधों पर पदक की उम्मीद

नई दिल्ली। एशियन गेम्स 2026 में भारत को बड़ा झटका लगा है। दो बार के ओलंपिक पदक विजेता और देश के सबसे बड़े पदक दावेदारों में शामिल नीरज चोपड़ा चोट के कारण प्रतियोगिता से बाहर हो गए हैं। नीरज को 19 सितंबर से 4 अक्टूबर तक जापान के आइची-नागोया में होने वाले एशियन गेम्स में अपने खिताब का बचाव करना था। उनकी जगह भारतीय एथलेटिक्स महासंघ ने भाला फेंक खिलाड़ी यशवीर सिंह को टीम में शामिल किया है।

एएफआई ने एशियन गेम्स के लिए 77 सदस्यीय ट्रैक एंड फील्ड टीम की घोषणा की। पुरुषों की भाला फेंक स्पर्धा में यशवीर सिंह और रोहित यादव भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे। नीरज को पहले 73 सदस्यीय टीम में शामिल किया गया था, लेकिन चोट के कारण उन्हें बाहर होना पड़ा। नीरज ने जकार्ता 2018 और हांगझोउ 2023 एशियन गेम्स में स्वर्ण पदक जीतकर अपना दबदबा कायम किया था। अब उनकी अनुपस्थिति में यशवीर सिंह से भारत को पदक की उम्मीद रहेगी। यशवीर ने हाल ही में ग्लास्गो कॉमनवेल्थ गेम्स में कांस्य पदक जीतकर अपनी दावेदारी मजबूत की है। पुरुषों की 110 मीटर बाधा दौड़ में भी भारत को झटका लगा है। ग्लास्गो कॉमनवेल्थ गेम्स के दौरान पैर में दो स्ट्रेस फ्रैक्चर झेलने वाले तेजस शिरसे एशियन गेम्स टीम का हिस्सा नहीं होंगे। वहीं, शुरुआती टीम में छह नए खिलाड़ियों को शामिल किया गया है। इनमें 200 मीटर धावक हरिता भद्रा, 400 मीटर धाविका किरण पहल, पोल वॉल्टर सिंधुश्री जी, ट्रिपल जंपर आई आशा इलांगो, डिस्कस थ्रोअर सान्या यादव और हैमर थ्रोअर प्रवीण कुमार शामिल हैं।

मनोरंजन | बॉलीवुड का कोना

एक नंबर से शुरू हुई थी प्रेम कहानी, प्रियंका ने 9 साल पुरानी 'उस गर्मी' का खोला राज

मुंबई। बॉलीवुड से हॉलीवुड तक अपनी पहचान बनाने वाली अभिनेत्री प्रियंका चोपड़ा ने अपनी निजी जिंदगी की एक बेहद खास याद सोशल मीडिया पर साझा की है। अभिनेत्री ने 2017 की उस गर्मी को याद किया, जब उनकी जिंदगी में निक जोनस के साथ रिश्ते की शुरुआत हो रही थी। प्रियंका की इस पोस्ट ने उनके प्रशंसकों को उनकी चर्चित प्रेम कहानी के शुरुआती दिनों की याद दिला दी। प्रियंका ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो साझा किया, जिसमें निक जोनस के साथ बिताए शुरुआती पलों से लेकर यात्राओं और पारिवारिक यादों तक की झलक दिखाई दी। इस वीडियो के साथ अभिनेत्री ने 2017 की गर्मियों को याद करते हुए बताया कि यही वह दौर था, जब उन्होंने निक को अपना फोन नंबर दिया था। वीडियो में गोवा की एक पारिवारिक यात्रा की तस्वीर भी नजर आई। इसमें प्रियंका के साथ उनकी बहन परिणीति चोपड़ा, भाई सिद्धार्थ चोपड़ा और परिवार के अन्य सदस्य दिखाई दिए। परिणीति ने भी इस पोस्ट पर प्रतिक्रिया देते हुए गोवा यात्रा को बेहद खास बताया।

पहले सोशल मीडिया संदेश, फिर बढ़ी नजदीकियां | प्रियंका और निक की कहानी भी किसी फिल्मी पटकथा से कम नहीं रही। दोनों की पहली मुलाकात 2017 में ऑस्कर से जुड़ी एक पार्टी के दौरान हुई थी। हालांकि, इससे पहले निक सोशल मीडिया के जरिए प्रियंका से संपर्क करने की कोशिश कर चुके थे। इसके बाद दोनों की मुलाकात न्यूयॉर्क में हुई और धीरे-धीरे दोनों के बीच नजदीकियां बढ़ने लगीं। 2017 के मेट गाला में भी दोनों साथ नजर आए, जिसके बाद उनके रिश्ते को लेकर चर्चाओं का दौर तेज हो गया।

लंदन में हुआ था सपनों जैसा प्रस्ताव

रिश्ता आगे बढ़ा तो निक ने 2018 में प्रियंका को शादी के लिए प्रपोज किया। बताया जाता है कि उन्होंने प्रियंका के लिए खास अंगूठी चुनने के लिए टिफनी एंड कंपनी का स्टोर बंद कराया था। इसके कुछ समय बाद दोनों ने अपने रिश्ते को सार्वजनिक कर दिया। दिसंबर 2018 में प्रियंका और निक ने राजस्थान के जोधपुर में भव्य समारोह के बीच शादी की। विवाह हिंदू और ईसाई दोनों परंपराओं के अनुसार हुआ। जनवरी 2022 में दोनों सरोगेसी के जरिए बेटी मालती मैरी चोपड़ा जोनस के माता-पिता बने। आज दोनों की प्रेम कहानी को करीब एक दशक होने जा रहा है, लेकिन प्रियंका की पुरानी यादों ने साबित कर दिया कि उस रिश्ते की शुरुआत के छोटे-छोटे पल आज भी उनके लिए उतने ही खास हैं।

मां बनने की राह में टूटने लगी थीं अनुष्का रंजन, बोलीं- 'लगता था मेरी बॉडी में ही कुछ कमी है'

मुंबई। अभिनेत्री अनुष्का रंजन ने मां बनने की अपनी निजी यात्रा से जुड़ा ऐसा अनुभव साझा किया है, जिसने आईवीएफ जैसी प्रक्रिया से गुजरने वाली महिलाओं की भावनात्मक चुनौतियों को सामने ला दिया। अनुष्का अपने पति और अभिनेता आदित्य सील के साथ नेहा धूपिया और अंगद बेदी के शो 'डबल डेट' में पहुंची थीं। बातचीत के दौरान उन्होंने बताया कि गर्भधारण की कोशिश के दौरान उन्हें शारीरिक परेशानियों के साथ-साथ मानसिक दबाव का भी सामना करना पड़ा। अनुष्का ने बताया कि शुरुआत में उन्होंने और आदित्य ने स्वाभाविक रूप से बच्चा कंसीव करने की कोशिश की। डॉक्टरों की सलाह पर दोनों ने कुछ समय तक इंतजार किया। इसके बाद उन्हें आईयूआई कराने का सुझाव दिया गया। अनुष्का के मुताबिक यह आईवीएफ की तुलना में अपेक्षाकृत कम जटिल प्रक्रिया मानी जाती है, लेकिन इसमें भी दवाओं और इंजेक्शन का दौर काफी चुनौतीपूर्ण था।

लगातार दवाइयों के कारण उन्हें अपने शरीर में बदलाव महसूस होने लगे और यह अनुभव उनके लिए आसान नहीं था। इसके बाद दंपती ने आईवीएफ का विकल्प चुनने का फैसला किया। अनुष्का ने बताया कि आईवीएफ के दौरान शारीरिक प्रक्रिया से ज्यादा उन्हें मानसिक तौर पर संघर्ष करना पड़ा। उनके

मन में बार-बार यह सवाल आने लगा कि आखिर परेशानी कहां है और क्या उनके शरीर में ही कोई कमी है। उन्होंने यह भी स्वीकार किया कि उस दौरान उन्हें अपने खान-पान और पुरानी जीवनशैली को लेकर अपराधबोध होने लगा था। यहां तक कि परिवार या करीबी लोगों से यह बताना भी मुश्किल लगता था कि वे बच्चे की योजना बना रहे हैं। आदित्य सील ने पत्नी के इस संघर्ष को बेहद करीब से देखा। उन्होंने बताया कि अनुष्का जिस शारीरिक दर्द और मानसिक तनाव से गुजर रही थीं, उसे देखकर उन्होंने मन बना लिया था कि अगर यह प्रयास सफल नहीं हुआ तो वे दोबारा आईवीएफ प्रक्रिया से नहीं गुजरेंगे।

मेट्रो बाजार

भारत का सर्विसेज पीएमआई अगस्त में बढ़कर 54.1 रहा

नई दिल्ली। भारत के सर्विसेज सेक्टर में अगस्त में जोरदार वृद्धि देखने को मिली है और एचएसबीसी इंडिया सर्विसेज पीएमआई बढ़कर 54.1 पर पहुंच गया है। इससे रोजगार वृद्धि भी 15 महीनों के उच्च स्तर पर रही है। यह जानकारी गुरुवार को जारी एक निजी सर्वेक्षण में दी गई। इससे पहले जुलाई में एचएसबीसी इंडिया सर्विसेज पीएमआई 53.3 पर था।

सर्वेक्षण में सेवा प्रदाताओं ने बढ़त की वजह अच्छी मांग और बाजार पहलों से नए बिजनेस में वृद्धि होने को बताया है। इस दौरान अंतरराष्ट्रीय ग्राहकों से मांग भी बनी रही है और नए निर्यात ऑर्डर करीब जुलाई के समान ही बढ़े हैं। एचएसबीसी के डेटा के मुताबिक, अगस्त में भारतीय सेवा प्रदाताओं को ऑस्ट्रेलिया, ब्राजील, कनाडा, जापान, मलेशिया, सिंगापुर, श्रीलंका और यूएई से नए निर्यात ऑर्डर मिले थे।

इसके अलावा, भारत की सेवा अर्थव्यवस्था में रोजगार तेजी से बढ़ा है। सर्वेक्षण में शामिल लगभग 11 प्रतिशत कंपनियों ने बताया कि उनके यहां कर्मचारियों की संख्या बढ़ी है। साथ ही, पिछले 15 महीनों में नौकरी पैदा होने की दर सबसे ज्यादा रही, क्योंकि कंपनियां अपनी कस्टमर सर्विस, सेल्स और डिजिटल ऑपरेशन को बेहतर बना रही हैं।

एचएसबीसी की भारत में मुख्य अर्थशास्त्री प्रांजुल भंडारी ने कहा कि अगस्त में सर्विस सेक्टर की गतिविधियां तेजी से बढ़ीं, जिसमें बेहतर आउटपुट और नए बिजनेस का योगदान रहा। भंडारी ने कहा, ÷रोजगार में तेजी से बढ़ोतरी हुई और नौकरियां पैदा होने का आंकड़ा 15 महीने के सबसे ऊंचे स्तर पर पहुंच गया।÷

विंटर शेड्यूल से पहले स्पाइसजेट का 20 नए विमानों के लिए लीज एग्रीमेंट फाइनल

गुरुग्राम। विंटर शेड्यूल से पहले स्पाइसजेट ने अपनी उड़ानों का विस्तार करने की तैयारी कर ली है। एयरलाइन ने 20 विमानों को शामिल करने के लिए तीन एयरक्राफ्ट ऑपरेटर्स के साथ लीज एग्रीमेंट फाइनल कर लिया है। इनमें 15 बोइंग और 5 एयरबस विमान शामिल हैं, जिन्हें डैम्प और वेट लीज एग्रीमेंट के तहत लिया जा रहा है। कंपनी ने बताया कि ये विमान अक्टूबर के मध्य से नवंबर के मध्य के बीच चरणबद्ध तरीके से बेड़े में शामिल होंगे। यह समय दुर्गा पूजा से शुरू होने वाले विंटर ट्रैवल पीक से ठीक पहले का है। इन विमानों के आने से स्पाइसजेट के घरेलू और अंतरराष्ट्रीय नेटवर्क में क्षमता बढ़ेगी और सर्दियों के साथ-साथ अगले साल के पीक समर सीजन में भी अतिरिक्त क्षमता मिलेगी।

इन अतिरिक्त विमानों के साथ, स्पाइसजेट विंटर शेड्यूल के दौरान अपने ऑपरेशन को बढ़ाकर लगभग 200 डेली फ्लाइट्स तक ले जाने की योजना बना रही है। एयरलाइन प्रमुख रूटों पर फ्लाइट्स की फ्रीक्वेंसी बढ़ाएगी और उन बाजारों में कनेक्टिविटी मजबूत करेगी जहां मांग अधिक रहने की उम्मीद है। अतिरिक्त क्षमता से बाजार में अधिक स्थिरता लाने और पीक डिमांड के दौरान हवाई किराए पर दबाव कम करने में भी मदद मिलेगी। पांच एयरबस विमानों में ए321 वेरिएंट भी शामिल होगा, जिसमें बैठने की क्षमता अधिक है और इससे स्पाइसजेट को उन रूटों पर अधिक सीटें उपलब्ध कराने में मदद मिलेगी जहां मांग मजबूत है। यह बेड़ा विस्तार स्पाइसजेट की क्षमता को बहाल करने और एक बड़े ऑपरेशनल बेड़े के निर्माण की व्यापक योजना का हिस्सा है। स्पाइसजेट के चीफ बिजनेस ऑफिसर देबोजो महर्षि ने कहा, ÷हम सर्दियों के मौसम की तैयारी इस स्पष्ट फोकस के साथ कर रहे हैं कि जहां हमारे यात्रियों को सबसे ज्यादा जरूरत है, वहां क्षमता जोड़ी जाए।

ग्रेट ब्लू होल: समुद्र के बीच 410 फीट गहरी रहस्यमयी दुनिया

बेलमोपान. एजेंसी। बेलीज के तट से करीब 60 मील दूर स्थित ग्रेट ब्लू होल दुनिया के सबसे प्रसिद्ध स्कूबा डाइविंग स्थलों में शामिल है। करीब 10 हजार साल पहले हिमयुग के दौरान गुफा की छत ढहने से बना यह विशाल समुद्री सिंकहोल आज पानी के भीतर सुरंगों, गुफाओं और चट्टानी संरचनाओं के लिए मशहूर है। करीब 410 फीट नीचे प्राचीन स्टैलेक्टाइट्स दिखाई देते हैं। सतह के पास प्रवाल भित्तियों के बीच समुद्री जीव भी देखे जा सकते हैं। 1996 में इसे यूनेस्को विश्व धरोहर क्षेत्र में शामिल किया गया। अनुभवी गोताखोर यहां डाइविंग कर सकते हैं, जबकि अन्य पर्यटक स्नॉर्कलिंग या हवाई यात्रा से इसकी खूबसूरती निहार सकते हैं।

न्यूज विंडो

वरिष्ठ आईपीएस अफसर जग मोहन आईबी के विशेष निदेशक नियुक्त

नई दिल्ली. एजेंसी। भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) के वरिष्ठ अधिकारी जग मोहन को खुफिया ब्यूरो (आईबी) का विशेष निदेशक नियुक्त किया गया है। वह 1995 बैच के बिहार कैडर के आईपीएस अधिकारी हैं। वह वर्तमान में आईबी में अतिरिक्त निदेशक के पद पर कार्यरत हैं। कार्मिक मंत्रालय के एक आदेश के अनुसार, नियुक्ति से संबंधित मंत्रिमंडल की समिति ने आईबी में विशेष निदेशक के पद पर मोहन की नियुक्ति को उनकी सेवानिवृत्ति की तारीख यानी 30 जून, 2031 तक के लिए मंजूरी दी है। उनके बैच के पांच अन्य अधिकारियों को भी उनके संबंधित संगठनों में विशेष महानिदेशक (डीजी) स्तर के पदों पर नियुक्त किया गया है।

दिशा सालियान केस : नीतेश राणे ने आदित्य ठाकरे पर साधा निशाना

मुंबई. एजेंसी। दिशा सालियान की मौत के मामले में बांबे हाई कोर्ट द्वारा सीबीआई जांच के आदेश के बाद महाराष्ट्र के मंत्री नीतेश राणे ने कहा कि यदि शिवसेना (यूबीटी) नेता आदित्य ठाकरे और इस मामले में जिन अन्य लोगों के नाम सामने आए हैं, उनका घटना से कोई संबंध नहीं है तो उन्हें सामने आकर अपनी स्थिति स्पष्ट करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि सीबीआई जांच से इस मामले से जुड़े तथ्यों और आरोपों की सच्चाई सामने आएगी। राणे ने कहा कि हम पहले दिन से स्पष्ट थे कि यह आत्महत्या नहीं, बल्कि हत्या का मामला है। अब सीबीआई जांच शुरू होगी और एफआईआर दर्ज की जाएगी। महाराष्ट्र के मंत्री ने कहा कि उनकी सबसे बड़ी अपेक्षा यह है कि जांच में कथित तौर पर साक्ष्यों को नष्ट करने और सत्ता के दुरुपयोग के आरोपों की भी पड़ताल की जाए।

सिंगर अंकित बालियान हत्याकांड में शूटरों ने करनाल से खरीदे थे सिम

शामली. एजेंसी। हरियाणवी सिंगर अंकित बालियान की हत्या करने से पहले शूटरों ने करनाल से सिम कार्ड खरीदा था। पुलिस ने सिमकार्ड बेचने वाले दुकानदार से पूछताछ की। अब पुलिस संदिग्ध युवक की तलाश में भी जुट गई है। पुलिस जांच में यह भी सामने आया कि आरोपितों ने हत्याकांड से तीन दिन बाद धमदाहा (पूर्णिया, बिहार) पहुंचकर सिमकार्ड से स्नैपचैट की आइडी बनाई थी। इसके अलावा एक सिमकार्ड बिहार से भी खरीदा था, जिसका इस्तेमाल भी स्नैप चैट चलाने के लिए किया गया था। हत्याकांड में शामिल दो शूटरों सुमित और मोहित को पुलिस मुठभेड में ढेर कर चुकी है। वहीं, फरार चल रहे दोनों शूटरों आर्यन और सत्यम पर पुलिस ने इनाम बढ़ाकर एक-एक लाख रुपये कर दिया है। 26 अगस्त को जिम के बाहर अंकित की चार शूटरों ने गोलियों से भूनकर हत्या कर दी थी। इस केस में एक सीसीटीवी फुटेज इंटरनेट मीडिया पर प्रसारित हुआ, जो 26 अगस्त को सवा तीन बजे का है। वीडियो में शूटर आर्यन और सत्यम के साथ एक अन्य संदिग्ध युवक भी दिखाई दे रहा है।

नेपाल : 900 वर्करों के लापता होने की खबर, सुरंगों में 500 के फंसे होने की आशंका

बाढ़ के 9 दिन बाद हाइड्रोपावर प्रोजेक्ट की सुरंग से जिंदा निकाले गए दो मजदूर

काठमांडू, एजेंसी

नेपाल में अचानक आई बाढ़ के नौ दिन बाद, त्रिशूली में एक हाइड्रोपावर प्रोजेक्ट की टनल से कम से कम दो लोगों को जिंदा बाहर निकाला गया है। इस रेस्क्यू ऑपरेशन ने यह उम्मीद जगा दी है कि अंदर अभी भी कुछ और लोग फंसे हो सकते हैं, जिन्हें जिंदा बाहर निकाला जा सकता है।

लोकल न्यूज चैनलों ने कीचड़ से सने उन वर्करों की तस्वीरें दिखाईं, जिन्हें रेस्क्यू करने वाले लोग अपने कंधों पर उठाकर त्रिशूली 3 हाइड्रोपावर प्रोजेक्ट से बाहर ला रहे थे। आर्मी के प्रवक्ता ब्रिगेडियर जनरल राजा राम बस्नेत ने रेस्क्यू ऑपरेशन में दो मजदूरों के बचाए जाने की पुष्टि भी की। इसके कुछ ही देर बाद, नेपाल के सांसद राम न्यूपाने ने भी रेस्क्यू ऑपरेशन की तस्वीरें अपने फेसबुक पर पोस्ट कीं। नेपाल में आई बाढ़ के बाद से ही हाइड्रोपावर प्रोजेक्ट की सुरंग में रेस्क्यू ऑपरेशन जारी है। लोकल अधिकारियों के मुताबिक, नेपाल में 12 हाइड्रोपावर प्रोजेक्ट्स से लगभग 900 वर्कर लापता हैं, जिनमें से करीब 500 के सुरंगों में फंसे होने की आशंका है। एक रिपोर्ट के मुताबिक, रेस्क्यू किए गए दो लोगों की पहचान कबीर महराजन और संजय शाह के तौर पर हुई है। शाह नेपाल इलेक्ट्रिसिटी अथॉरिटी (एनईए) में मैकेनिकल फोरमैन हैं और महराजन त्रिशूली-3 हाइड्रोपावर प्रोजेक्ट में सुपरवाइजर हैं।

अब तक 1282 लोगों की मौत

यह बचाव ऐसे समय हुआ है, जब नेपाल में 26 अगस्त को आई विनाशकारी बाढ़ ने भारी तबाही मचाई है। नेपाल पुलिस के मुताबिक, अब तक 1,282 लोगों की मौत हो चुकी है। सैकड़ों लोग अब भी लापता हैं। बाढ़ की शुरुआत नेपाल-तिब्बत सीमा के पास हुए बर्फ और चट्टानों के बड़े मलबे के खिसकने से हुई थी। इसके बाद उत्तरी और मध्य नेपाल के कई शहर और गांव बुरी तरह प्रभावित हुए। ऐसे भयावह हालात के बीच 10 दिन बाद दो मजदूरों का जिंदा मिलना राहत और उम्मीद की एक बड़ी खबर बनकर सामने आया है।

विदेश मंत्री शिशिर खनाल बोले- किसी देश से नहीं मांगे हैं पैसे

इधर, नेपाल के विदेश मंत्री शिशिर खनाल ने उन खबरों को सिरे से खारिज कर दिया है, जिसमें दावा किया गया था कि नेपाल ने हालिया विनाशकारी बाढ़ के बाद भारत से जलवायु मुआवजे की मांग की है। खबरों के अनुसार उन्होंने स्पष्ट किया कि सरकार ने भारत या किसी अन्य देश से मुआवजे का दावा नहीं किया है, बल्कि वैश्विक समुदाय से हिमालयी क्षेत्र में जलवायु परिवर्तन के बढ़ते प्रभावों पर एकजुट होकर सहयोग करने का आह्वान किया है। नेपाल के विदेश मंत्री खनाल ने कहा, 'न तो मैंने और न ही विदेश मंत्रालय या नेपाल सरकार में किसी और व्यक्ति ने भारत या किसी दूसरे देश, जिसमें चीन और अमेरिका भी शामिल हैं, से मुआवजे की मांग की है। हमारी अपील है कि वैश्विक समुदाय इस आपदा को जलवायु परिवर्तन और नेपाल पर इसके असर के नजरिए से देखे। बताते चले कि बीते दिनों शिशिर खनाल ने भारत, चीन और अमेरिका से मुआवजे की मांग की थी, जिसके बाद अब उन्होंने इस दावे को सिरे से खारिज कर दिया है।

बलूचिस्तान में सेना के काफिले पर हमला, 25 जवानों की मौत की खबर

इस्लामाबाद. एजेंसी। पाकिस्तान के बलूचिस्तान में गुरुवार को पाकिस्तानी सेना के काफिले पर बड़ा हमला होने का दावा किया गया है। हमले की जिम्मेदारी बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी (बीएलए) ने ली है। संगठन के मुताबिक, जियारत क्रॉस के पास उसके लड़ाकों ने सेना के काफिले को निशाना बनाया। बीएलए का दावा है कि हमले में 25 पाकिस्तानी जवान मारे गए, जबकि सेना की दो गाड़ियां नष्ट हो गईं। इनमें एक सैन्य ट्रक भी शामिल बताया गया है।

खबरों के अनुसार, बीएलए के प्रवक्ता ने बताया कि संगठन ने पहले हमले में 18 जवानों के मारे जाने का दावा किया था, जिसे बाद में बढ़ाकर 25 कर दिया गया। संगठन ने अपने आधिकारिक मीडिया चैनल पर हमले का करीब 1 मिनट 11 सेकंड का वीडियो ट्रेलर भी जारी किया है। हालांकि, इन दावों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है। बीएलए ने एक अन्य घटनाक्रम में सुराब के हाजिका इलाके में विस्फोटकों से लदी गाड़ी को रिमोट से उड़ाने का दावा किया। संगठन के अनुसार, इस हमले में सेना की एक गाड़ी नष्ट हुई और सात जवान मारे गए। पाकिस्तान की ओर से इन दावों पर आधिकारिक प्रतिक्रिया का उल्लेख नहीं है।

भीड़ ने आदिवासी महिला के मुंडवाए बाल, लाठियों से पीटा, पति गिरफ्तार

उदयपुर, एजेंसी

राजस्थान के आदिवासी जिला बांसवाड़ा में महिलाओं की भीड़ ने एक आदिवासी महिला के साथ अमानवीय व्यवहार करने का मामला सामने आया है। आरोप है कि भीड़ ने महिला के सिर के बाल मुंडवा दिए, उसके कपड़े फाड़ दिए और उसे घेरकर लाठियों से बेरहमी से पीटा।

घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद मामला पुलिस तक पहुंचा। पुलिस के अनुसार, घटना में शामिल महिला और पुरुष पीड़िता के ससुराल पक्ष से जुड़े बताए जा रहे हैं। महिला कुछ दिन पहले अपने पीहर गई थी और वापस ससुराल नहीं लौटी थी। इसके बाद जब वह लौटी तो ससुराल पक्ष ने उसके साथ ऐसा व्यवहार किया। पुलिस ने पीड़िता का मेडिकल कराया है। मामले में मुख्य आरोपी बताए जा रहे पीड़िता के पति को हिरासत में लिया गया है, जबकि अन्य आरोपियों की तलाश जारी है।

घटना के दौरान कुछ लोग वीडियो बनाते भी नजर आए। राज्य महिला आयोग की पूर्व अध्यक्ष रेहाना रियाज ने घटना की निंदा करते हुए दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।

भारत लाया जाएगा भगोड़ा हीरा कारोबारी मेहुल चोकसी, बेल्जियम सरकार ने दिए पॉजिटिव संकेत

नई दिल्ली, एजेंसी

पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) घोटाले के आरोपी भगोड़े हीरा कारोबारी मेहुल चोकसी को भारत लाने की कोशिशों को लेकर बड़ी खबर सामने आई है। भारत-बेल्जियम की उच्चस्तरीय बातचीत में चोकसी के प्रत्यर्पण का मुद्दा प्रमुखता से उठाया गया। सूत्रों के मुताबिक, बेल्जियम ने इस मामले में सकारात्मक रुख के संकेत दिए हैं। हालांकि, इसका मतलब तत्काल प्रत्यर्पण नहीं है। चोकसी को भारत भेजने से पहले बेल्जियम की कानूनी प्रक्रिया और अदालतों की जांच से गुजरना होगा।

भारत ने वार्ता के दौरान स्पष्ट किया कि चोकसी की वापसी और उसके खिलाफ मुकदमा चलाना सरकार की प्राथमिकता है। चोकसी का मामला कई देशों की कानूनी और राजनयिक प्रक्रियाओं से जुड़ा होने के कारण लंबे समय से पेचीदा बना हुआ है। भारतीय एजेंसियां उसकी संपत्तियों और अन्य मामलों में भी अंतरराष्ट्रीय सहयोग ले रही हैं। चोकसी जनवरी 2018 में पीएनबी घोटाला सामने आने से पहले भारत से फरार हो गया था। बाद में उसने एंटीगुआ और बारबुडा की नागरिकता हासिल की। वर्ष 2021 में डोमिनिका में मिलने के बाद

पीएनबी घोटाले से जुड़ा है मेहुल

मेहुल चोकसी पर पंजाब नेशनल बैंक से जुड़े करोड़ों रुपये के धोखाधड़ी मामले में आरोप हैं। घोटाला सामने आने से पहले जनवरी 2018 में वह भारत से भाग गया था। इसके बाद उसने एंटीगुआ और बारबुडा की नागरिकता ले ली। वर्ष 2021 में डोमिनिका में मिलने के बाद उसके प्रत्यर्पण को लेकर नया विवाद खड़ा हुआ। अप्रैल 2025 में बेल्जियम के एंटवर्प में उसकी गिरफ्तारी हुई थी।

भी उसके प्रत्यर्पण को लेकर कानूनी विवाद चला। अप्रैल 2025 में बेल्जियम के एंटवर्प में उसकी गिरफ्तारी हुई थी। मामले में उसका भतीजा नीरव मोदी भी आरोपी है।

मेट्रो एंकर वन विभाग ने कश्मीर की हसीन वादियों को कचरे से बचाने कसी कमर

गुलमर्ग में अब 'पॉलीथीन नो एंट्री', गाड़ियों की होगी सख्त तलाशी

श्रीनगर, एजेंसी

कश्मीर की मशहूर पर्यटन नगरी गुलमर्ग को प्लास्टिक और बढ़ते प्रदूषण से बचाने के लिए जम्मू-कश्मीर वन विभाग ने सख्त कदम उठाने की तैयारी की है। गुलमर्ग-टंगमर्ग रोड पर जल्द एंटी-पॉलीथीन चेकपॉइंट बनाया जाएगा। यहां गुलमर्ग जाने वाले वाहनों की तलाशी लेकर पॉलीथीन और प्रतिबंधित प्लास्टिक को अंदर जाने से रोका जाएगा।

टंगमर्ग के डीएफओ फीरोज अहमद के मुताबिक, गुलमर्ग के नाजुक इकोसिस्टम पर पर्यटकों की बढ़ती आवाजाही का दबाव पड़ रहा है। जंगलों में जगह-जगह कचरा फेंके जाने के अलावा कई होटल और निजी आवास अपना गंदा पानी जंगल की जमीन में छोड़ रहे हैं। इससे देवदार के पेड़ों की जड़ें कमजोर होकर सड़ने लगी हैं।

विभाग ने टंगमर्ग से गुलमर्ग तक पिकनिक और पर्यटकों के ठहरने वाले स्थानों पर पर्याप्त संख्या में डस्टबिन लगाने की योजना बनाई है। साथ ही स्थानीय म्युनिसिपल कमेटी से होटलों के कचरा निस्तारण और नियमों के पालन पर सख्ती करने को कहा गया है। गुलमर्ग में फिलहाल समर्पित डंपिंग साइट नहीं होने से समस्या और बढ़ रही है। वनकर्मी जंगल से कचरा उठाकर कुंजर की डंपिंग साइट तक पहुंचाते हैं।

हर वाहन की होगी जांच

गुलमर्ग को प्लास्टिक प्रदूषण से बचाने के लिए वन विभाग टंगमर्ग रोड पर एंटी-पॉलीथीन चेकपॉइंट स्थापित करेगा। यहां आने-जाने वाले वाहनों की जांच की जाएगी। अधिकारियों का उद्देश्य पॉलीथीन और प्रतिबंधित प्लास्टिक को गुलमर्ग में प्रवेश करने से रोकना है। विभाग ने पर्यटकों से अपील की है कि वे जंगल और पर्यटन स्थलों पर कचरा न फैलाएं। टंगमर्ग से गुलमर्ग के बीच उन स्थानों पर भी डस्टबिन लगाए जाएंगे, जहां पर्यटक अक्सर रुककर पिकनिक मनाते हैं। विभाग का मानना है कि प्रशासनिक कार्रवाई के साथ पर्यटकों की जिम्मेदारी भी जरूरी है, तभी गुलमर्ग की प्राकृतिक सुंदरता और पर्यावरण को लंबे समय तक सुरक्षित रखा जा सकेगा।

गंदा पानी भी बना खतरा

वन विभाग के मुताबिक गुलमर्ग में पर्यावरणीय नुकसान का कारण केवल प्लास्टिक कचरा नहीं है। कई होटल और निजी आवास अपना गंदा पानी सीधे जंगल की जमीन में छोड़ रहे हैं। इससे देवदार के पेड़ों की जड़ें कमजोर हो रही हैं और उनके सड़ने का खतरा बढ़ गया है। विभाग ने स्थानीय म्युनिसिपल कमेटी से होटलों के कचरा और गंदे पानी के निस्तारण पर सख्ती बरतने को कहा है। अधिकारियों के अनुसार, सभी होटल संचालकों को तय नियमों का पालन करना होगा। गुलमर्ग में समर्पित डंपिंग साइट का अभाव भी बड़ी चुनौती है। फिलहाल वनकर्मी जंगल से कचरा उठाकर कुंजर पहुंचाते हैं।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **संपादक राजेश सिरोठिया स्थानीय संपादक अनिल शर्मा*** आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-7963564, 4917524